राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 14 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-318 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

## निजी अस्पताल में लगी आग, 7 की मौत, कई झुलसे

**मरने वालों में एक बच्चा और तीन महिलाएं शामिल, तीन गंभीर**

**चेन्नई।** तमिलनाडु के डिंडीगुल स्थित एक निजी अस्पताल में गुरुवार रात आग लगने से अब तक सात लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई झुलस गए। मरने वालों में एक बच्चा और तीन महिलाएं शामिल हैं। तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक आग गुरुवार रात लगी। सूचना के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और रेस्क्यू किया। अस्पताल में फंसे लोगों को निकालने के लिए फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची। इसके बाद लोगों को बाहर निकालकर एम्बुलेंस और निजी एम्बुलेंस के जरिए दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया गया। आग डिंडीगुल जिले के तिरुचि रोड स्थित चार मंजिला अस्पताल के ग्राउंड फ्लोर पर लगी थी। इसके बाद धीरे-धीरे आग ने पूरे अस्पताल को अपनी चपेट में ले लिया। शुरुआती जांच में आग की वजह शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हादसे के बाद ग्रामीण विकास मंत्री पहुंची। इस हादसे को लेकर डिंडीगुल की जिला कलेक्टर ने कहा कि रात 10 बजे निजी अस्पताल में आग लगी थी। खबर मिलते ही रेस्क्यू किया गया। मरीजों को बचाकर पास के सरकारी और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है जिनका इलाज चल रहा है।

## दिल्ली विधानसभा चुनाव- कांग्रेस ने जारी की 21 नामों की सूची

**-शीला दीक्षित के बेटे संदीप को अरविंद केजरीवाल की सीट से उतारा**

**नई दिल्ली।** दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने 21 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है, जिसमें पार्टी नेता और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित को नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतारा गया है, जिसका प्रतिनिधित्व वर्तमान में अरविंद केजरीवाल करते हैं। यह उल्लेख करना उचित है कि केजरीवाल ने 2013 में शीला दीक्षित को हराया था और पहली बार सीएम बने थे। कांग्रेस ने बादली से दिल्ली कांग्रेस प्रमुख देवेंद्र यादव, बल्लीमारान से हारून यूसुफ, कस्तूरबा नगर से अभिषेक दत्त, द्वारका से आदर्श शास्त्री और चांदनी चौक से पूर्व सांसद जेपी अग्रवाल के बेटे मुदित अग्रवाल को टिकट दिया है। दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव फरवरी 2025 या उससे पहले होने की उम्मीद है। पिछला विधानसभा चुनाव फरवरी 2020 में हुआ था। चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी ने राज्य में सरकार बनाई और अरविंद केजरीवाल तीसरी बार सीएम बने। 7वीं दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल 15 फरवरी 2025 को खत्म होगा।

## रूसी भाषा में आया मेलः आरबीआई को बम से उड़ाने की धमकी

**मुंबई।** दिल्ली के स्कूलों को धमकी के बाद अब भारतीय रिजर्व बैंक को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी के बाद हड़कंप मच गया है। आरबीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर एक ईमेल मिला है, जिसमें रूसी भाषा में धमकी दी गई है। मेल में दावा किया गया है कि वो आरबीआई को बम से उड़ा देंगे। मुंबई पुलिस ने कहा कि घटना की जानकारी मिलते ही माता रमाबाई मार्ग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। आरबीआई को इससे पहले भी बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसी साल नवंबर में ही आरबीआई के ग्राहक सेवा विभाग को एक धमकी भरा कॉल आया था। कॉल सुबह 10 बजे के करीब आया था और धमकी देते वाले व्यक्ति ने कहा था कि वो लश्कर-ए-तैयबा का सीईओ है। इससे पहले आज ही दिल्ली के 6 नामी स्कूलों को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली। स्कूलों को ईमेल के जरिए ये धमकी मिली। इसकी जानकारी लगने पर अग्निशमन अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। दिल्ली पुलिस ने बताया कि अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

## गूगल ने बताया 2024 में भारतीयों ने सबसे ज्यादा क्या क्या सर्च किया

**नई दिल्ली।** सर्च इंजन गूगल इस साल भारतीय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं द्वारा सबसे ज्यादा सर्च किए गए विषयों की सूची लेकर आया है। गूगल ने बताया है कि रोजाना दुनिया भर से अरबों सर्च किए जाते हैं और उनमें से 15 फीसदी एकदम नए विषय होते हैं। इस साल भारतीयों द्वारा सर्च किए गए विषय काफी आकर्षक रहे। खेल के दीवानों ने आईपीएल से लेकर ओलिंपिक तक सर्च किया। वहीं मनोरंजन पसंद करने वालों ने स्त्री 2 से लेकर कोरियन ड्रामा के साथ-साथ लोकप्रिय भारतीय गानों (जैसे नादानियां) को गूगल पर खूब सर्च किया। इसके साथ मीम्स और विचित्र (जैसे पूकी) शब्दावली को भी खूब सर्च किया गया। साल 2024 में भारतीय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने विनेश फोगाट से लेकर हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ियों को भी गूगल पर खूब सर्च किया। इसके साथ ही दिवंगत रतन टाटा को भी गूगल सर्च में जगह मिली। सैर-सपाटे के शौकीन लोगों ने इस साल अजरबैजान के बारे में भी सपने देखे और नए विषयों की भी खोज की। इसके अलावा कार्यस्थल पर कैसा व्यवहार रखना है इसका भी पता लगाया। इसके साथ ही जेन जेड बॉस से जुड़े मीम्स भी खूब चलन में रहे।

# संसद पर हुए आतंकवादी हमले के 23 साल पूरे

## पीएम मोदी, शाह, खड़गे ने दी श्रद्धांजलि

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

संसद पर हुए आतंकवादी हमले के आज यानी शुक्रवार को 23 साल पूरे हो गए। 2001 में हुए इस हमले में कई जवान शहीद हो गए थे। संसद की सुरक्षा में लगे जवानों ने अपनी जान की परवाह किए बगैर आतंकवादियों का मुकाबला किया था। आतंकवादियों को रोकने में दिल्ली पुलिस, सीआरपीएफ और संसद के वॉच एंड वार्ड स्टाफ के नौ सदस्य भी शहीद हुए थे।

संसद की रक्षा करने में शहीद हुए जवानों को याद करते हुए हर साल उन्हें 13 दिसंबर को श्रद्धांजलि दी जाती है। इस मौके पर आज शुक्रवार को भी संसद भवन में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह कांग्रेस के नेता खड़गे समेत कई नेताओं ने जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। पीएम मोदी ने शुक्रवार को 2001 में संसद हमले में अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुरों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनका बलिदान राष्ट्र को हमेशा प्रेरित करेगा। हम उनके साहस और समर्पण के लिए हमेशा आभारी रहेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ खड़ा है। उन्होंने कहा कि कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से अमर शहीदों को सादर श्रद्धांजलि। आज हमने संसद भवन पर हुए आतंकवादी हमले में शहीद हुए मां भारती के वीर जवानों को पुष्पांजलि अर्पित कर याद किया। आतंकवाद के खिलाफ पूरा देश एकजुट है।

वहीं अरविंद केजरीवाल ने संसद हमले के दौरान प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों को सलाम किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज का दिन हमें उन वीर जवानों की याद दिलाता है, जिन्होंने संसद भवन पर हुए आतंकवादी हमले के दौरान देश और हमारे लोकतंत्र के मंदिर की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन सभी वीर जवानों की अमर शहादत को कोटि-कोटि नमन।

श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सभी को 13 दिसंबर, 2001 को भारतीय संसद पर हुए भीषण आतंकवादी हमले की याद दिलाई गई। बता दें 13 दिसंबर 2001 को संसद पर आतंकी हमला हुआ, जिसके परिणामस्वरूप पांच दिल्ली पुलिस कर्मियों, दो संसद सुरक्षा सेवा कर्मियों, एक सीआरपीएफ कांस्टेबल और एक माली की मौत हो गई थी।

**एक सुर में बोले दिग्गजः**

# वन नेशन वन इलेक्शन देश की जरुरत

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

केंद्रीय कैबिनेट द्वारा वन नेशन-वन इलेक्शन को दी गई मंजूरी के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। इस मुद्दे पर गुरुवार को कई दिग्गजों ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने देश के विकास के लिए इसको जरूरी बताया। भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने कहा, केंद्रीय कैबिनेट का यह बहुत अच्छा फैसला है, कैबिनेट ने इसको मंजूरी दी। अब लोकसभा और राज्यसभा में इस पर चर्चा होगी। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, वन नेशन-वन इलेक्शन से पैसा बचेगा, जीडीपी में ग्रोथ होगी। आचार संहिता के कारण कई कार्यों की गति रुक जाती है। कई परियोजनाओं को रोका जाता है। ऐसे में देश को गति देने के लिए वन नेशन-वन इलेक्शन की जरूरत है। यी फैसला पहले ही हो जाना चाहिए था। विपक्ष को घेरते हुए पासवान ने कहा, उनको किस बात पर ऐतराज होता है और नहीं होता है। जहां पर जीतते हैं, वहां पर ईवीएम सही रहती है और जहां पर हारते हैं, वहां खराब हो जाती है। इसी तरह चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हैं। सभी को वन नेशन-वन इलेक्शन का स्वागत करना चाहिए। हरियाणा के मंत्री अनिल विज ने वन नेशन-वन इलेक्शन पर कहा, यह बहुत सही फैसला है। यह पहले ही लिया जाना था, लेकिन पूर्व की सरकारों ने इस पर नहीं सोचा। पीएम मोदी ने कई सारी नई चीजें की हैं। आचार संहिता लगने से विकास के काम रुक जाते थे। पीएम मोदी देश को आगे ले जाना चाहते हैं और सभी भारतीय को इसका स्वागत करना चाहिए।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के हाथरस जाने पर स्थानीय भाजपा सांसद अनूप वाल्मीकि ने कहा, वह बड़े नेता हैं। उनको उन राज्यों में जाना चाहिए, जहां कांग्रेस की सरकार है।

जहां तक हाथरस की बात है, पीड़ित परिवारों की मांग थी कि केस की जांच सीबीआई से कराई जाए और जो हमारी सरकार द्वारा कराई गई। जो भी दोषी पाए गए, उनके खिलाफ कार्रवाई हुई। लेकिन कोर्ट में निर्णय गया तो तीन लोग निर्दोष साबित हुए और एक पर चार्जशीट लगाकर उस पर कार्रवाई करने का काम हुआ। फिर मामला हाई कोर्ट गया, जहां पर केस विचाराधीन है।

# पीएम मोदी प्रयागराज पहुंचे, क्रूज से पहुंचे संगम, कुंभ की तैयारियों का लिया जायजा

**प्रयागराज। (एजेंसी)**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को प्रयागराज पहुंचे हैं। यहां उन्होंने कुंभ स्थल पर चल रहीं तैयारियों का जायजा लिया। इससे पहले रिवर क्रूज से संगम पहुंचे और कुंभ कलश का पूजन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवाकर को प्रयागराज पहुंच कुभ स्थल का जायजा लिया है। उन्होंने महाकुंभ की सफलता के लिए कुंभ कलश का पूजन किया।

इससे पहले पीएम मोदी रिवर क्रूज की सवारी कर संगम स्थल पर पहुंचे। यहां पर साधु-संतों से भेंट करने के बाद उन्होंने गंगा पूजन किया है। इस दोरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी 6,670 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास भी करेंगे।

# कई राज्यों में बारिश का अलर्टः पहाड़ों पर बर्फबारी कई राज्यों में बढ़ा रही ठंड

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

पहाड़ों पर बर्फबारी की वजह से शीतलहर ने पारा काफी लुढ़का दिया है। मैदानी इलाकों में इस समय कड़ाके की ठंड देखने को मिल रही है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली और राजस्थान में मौसम विभाग ने कोहरे और शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। वहीं केरल, तमिलनाडु में कई जगहों पर भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक राजधानी दिल्ली में शीतलहर की स्थित बन रही है। शुक्रवार सुबह पारा 4.3 डिग्री के करीब पहुंच गया। मौसम विभाग का कहना है कि अभी दिल्ली में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। हालांकि धूप से लोगों को कुछ राहत मिलेगी। दिनभर बर्फीली हवाओं का भी प्रभाव बना रहेगा। 17 दिसंबर को दिल्ली एनसीआर में घना कोहरा छाने की संभावना है।

स्काइमेट वेदर के मुताबिक श्रीलंका के तट पर बना निम्न दबाव का क्षेत्र अब मन्नार की खाड़ी के आसपास पहुंच गया है। यह प्रणाली दक्षिण तमिलनाडु की ओर बढ़ सकती है। इसके असर से तटीय आंध्र प्रदेश और तटीय तमिलनाडु में गुरुवार को भी बारिश हुई। इसके अलावा केरल, आंतरिक कर्नाटक में भी हल्की बारिश हुई। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत, पूर्व और उत्तर में दिन और रात दोनों के तापमान में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

**कहां होगी बारिश**

मुजफ्फराबाद, लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में बारिश की संभावना है। इसके अलावा ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी में इजाफा हो सकता है। तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, केरल और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में भारी बारिश हो सकती है। अंडमान और लक्षद्वीप में भी हल्की बारिश की संभावना है। केरल के कोल्लम, एर्नाकुलम, इडुक्की और त्रिशूर में मध्यम बारिश हो सकती है।

**पहाड़ों में बर्फबारी**

मौसम विभाग के मुताबिक कश्मीर घाटी में न्यूनतम तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पुलवामा, शोपियां और बारामुला में हल्की बर्फबारी हुई। इसके अलावा गुलमर्ग, तंगमार्ग, जोजिला दर्रे और गुरेज में भी बर्फबारी हुई है।

# संभलः जुमे की नमाज को लेकर प्रशासन सतर्क, चप्पे चप्पे में तैनात है सुरक्षा बल

**संभल। (एजेंसी)**

संभल में जुमे की नमाज को लेकर पुलिस और प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट हैं। सुरक्षा के लिए तीन लेयर व्यवस्था बनाई गई है। खासकर जामा मस्जिद पर कड़ा पहरा रहेगा और अधिकारी लगातार इलाके का दौरा करते रहेंगे। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि सुरक्षा को लेकर एहतियात बरती जा रही है। मुरादाबाद रेंज के सभी जिलों से अतिरिक्त फोर्स को संभल बुलाया गया है। इसके अलावा आरआरएफ, आरएएफ और पीएसी की 10 कंपनियां शहर के प्रमुख स्थानों पर तैनात हैं।

जामा मस्जिद और उसके आसपास के इलाकों में ड्रोन के जरिए निगरानी की जाएगी। एसपी

ने कहा कि शहर में सभी सुरक्षा कैमरे चालू कर दिए गए हैं, जिनसे भी निगरानी की जाएगी। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने संभल शहर के आसपास के देहात क्षेत्रों में पुलिसकर्मियों को जिम्मेदार व्यक्तियों से संवाद करने का निर्देश दिया है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी-अपनी गांव की मस्जिदों में नमाज अदा करें, ताकि जामा मस्जिद पर अनावश्यक भीड़ न पहुंचे। उलमा से भी यही अपील की जा रही है। उन्होंने कहा कि जो लोग जामा मस्जिद के आसपास नमाज अदा करते आ रहे हैं, वही लोग वहां जाएं। इसके अलावा, धारा 163 का पालन भी सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि किसी भी प्रकार की अराजकता न हो।

# क्या सारी जिम्मेदारी नेहरु की है, आपने क्या किया यह भी बताएं

**-प्रियंका गांधी ने लोकसभा में अपना पहला भाषण देते हुए केंद्र सरकार व बीजेपी को घेरा**

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने लोकसभा में अपना पहला भाषण देते हुए कहा कि अतीत में क्या हुआ और नेहरू जी ने क्या किया? अरे आपने क्या किया यह बताइए। सारी जिम्मेदारी नेहरू जी की है क्या। प्रियंका शुक्रवार को लोकसभा में संविधान पर चर्चा में हिस्सा ले रहीं थीं, जब उन्होंने यह कहा।

सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि भारत हजारों साल पुरानी संवाद और चर्चाओं की परंपरा वाला देश है। हमारी भारतीय संस्कृति में वाद-विवाद और संवाद की गहरी जड़ें समाई हुई हैं, जो अलग-अलग धर्मों और समाजों में भी साफ नजर आती हैं। इन्हीं परंपराओं से प्रेरित होकर स्वतंत्रता संग्राम शुरू हुआ था, जो अहिंसा और सत्य पर आधारित रहा। स्वतंत्रता आंदोलन लोकतांत्रिक था, जिसमें हर वर्ग के लोगों ने हिस्सा लिया। इसी संघर्ष से उभरी थी एक सामूहिक आवाज, जिसने हमारे भारतीय संविधान का रूप लिया। हमारा संविधान महज दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह न्याय, अभिव्यक्ति और आकांक्षाओं का दीपक है। इसी दौरान प्रियंका ने भाजपा पर निशाना साधाते हुए कहा कि अतीत में क्या हुआ, नेहरू ने क्या किया। अरे अब आपने क्या किया यह तो बताइए, क्या सारी जिम्मेदारी बस नेहरू जी की ही है।

चर्चा में हिस्सा ले रहीं प्रियंका गांधी ने कहा कि संविधान हमारे देशवासियों के लिए एक सुरक्षा कवच का काम करता है। यह न्याय, एकता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का संरक्षण करने वाला संविधान है, लेकिन सत्ताधारी दल इस सुरक्षा कवच को पिछले 10 वर्षों से तोड़ने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि लेटरल एंट्री और निजीकरण के जरिए आरक्षण को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। इसी के साथ उन्होंने कहा कि यदि बीते चुनाव के नतीजे कुछ और होते, तो संभव होता कि संविधान बदलने का काम भी शुरू हो जाता, लेकिन जनता ने इस पर रोक लगा दी है।

संसद में अपने पहले भाषण में प्रियंका ने कहा कि वर्तमान सरकार अतीत पर तो चर्चा करती है, लेकिन वर्तमान की जिम्मेदारियों से बचती और भागती है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह बेरोजगारी और महंगाई जैसी समस्याओं का समाधान करे, लेकिन वह ऐसा नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि किसान, मजदूर और गरीब वर्ग आज भी संकट में है। आज हिमाचल के किसानों से लेकर वायनाड और ललितपुर तक का किसान अपनी समस्याओं से जूझ रहा है। पर इससे क्या क्योंकि यह सरकार तो उद्योगपतियों पर ध्यान देती है। इसके साथ ही प्रियंका गांधी ने जातिगत जनगणना की आवश्यकता पर भी जोर दिया और महिला आरक्षण बिल का सवाल भी उठाया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# ऊर्जा संरक्षण से होगी बिजली की जरुरते पूरी

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

(14 दिसंबर राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस)

बिजली के बिना कोई भी देश तरक्की नहीं कर सकता है। थोड़े से समय के लिये बिजली चली जाने पर हमारे अधिकतर काम रूक जाते हैं। बिजली हमारे जनजीवन का कब मुख्य हिस्सा बन गयी हमें पता ही नहीं चल पाया। आज हमारा पूरा जनजीवन बिजली से जुड़ा हुआ है। बिजली का उत्पादन मशीनों से किया जाता है। ऐसे में हमें हर हाल में बिजली का दुरूपयोग नहीं करना चाहिये। सौर ऊर्जा प्रदूषण रहित, निर्बाध गति से मिलने वाला सबसे सुरक्षित ऊर्जा स्रोत है। भारत में सौर ऊर्जा लगभग बारह महिने उपलब्ध है। सौर ऊर्जा को और अधिक उन्नत करने के लिए हमें अपने संसाधनों का उपयोग करना चाहिए।

हमारे जीवन में प्रतिदिन के विभिन कार्यो के संचालन के लिए ऊर्जा अत्यंत महत्वपूर्ण साधन है। दुनिया की अर्थव्यवस्था में वृद्धि के साथ-साथ प्रतिवर्ष ऊर्जा की मांग भी बढ़ती जा रही है। हम प्रतिदिन विभिन रूपों में ऊर्जा का उपयोग करते है। अत: भविष्य में ऊर्जा की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इसका संरक्षण आवश्यक है। ऊर्जा संरक्षण से तात्पर्य विभिन उपायों के माध्यम से ऊर्जा का संरक्षण करना है। ऊर्जा संरक्षण के अंतर्गत विभिन कार्यो के माध्यम से ऊर्जा का उपयोग इस प्रकार किया जाता है। जिससे वर्तमान की आवश्यता की पूर्ति के साथ भविष्य की जरूरतें भी पूरी हो सकें। ऊर्जा संरक्षण से तात्पर्य ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग है। इसका अर्थ है ऊर्जा का अनावश्यक उपयोग ना करना एवं कम से कम ऊर्जा का उपयोग करते हुए कार्य को करना। भारत एक ऐसा देश है जहां पूरे साल सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा का इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में साल भर में लगभग 310 दिनों तक तेज धूप खिली रहती है। भारत भाग्यशाली देश है जिसके पास सौर ऊर्जा के लिए खिली धूप की उपलब्धता, पर्याप्त मात्रा में भूमि की उपलब्धता, परमाणु ऊर्जा के लिए थोरियम का अथाह भंडार तथा पवन ऊर्जा के लिए लंबा समुद्री किनारा नैसर्गिक संसाधन के तौर पर उपलब्ध है। जरूरत है तो बस उचित प्रौद्योगिकी का विकास तथा संसाधनों का दोहन करने की। देश की ऊर्जा की मांग और आपूर्ति में बहुत बड़ा अन्तर है। देश में बिजली संकट लगातार गहराता जा रहा है। अगर इस समय बिजली संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया तो यह भारत के विकास के लिए बड़ा अभिशाप सिद्ध हो सकता है। क्योंकि किसी भी देश की तरक्की का रास्ता ऊर्जा से ही होकर जाता है। सरकार को अब वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर गंभीरता से विचार करते हुए ऊर्जा बचत के लिए जरूरी उपाय अपनाने पड़ेंगे। इस मायने में सूर्य से प्राप्त सौर ऊर्जा अत्यंत महत्वपूर्ण विकल्प है।

भारत में 31 मार्च 2023 तक स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 416,059 मेगावाट थी। जिसमें जीवाश्म ईंधन से 237,269 मेगावाट अथवा 57 प्रतिशत तथा गैर-जीवाश्म ईंधन से 178,790 मेगावाट अथवा 43 प्रतिशत शामिल। देश में कोयले से 205,235 मेगावाट अथवा 49.3 प्रतिशत, लिग्नाइट से 6620 मेगावाट, हाइड्रोपावर (पनबिजली) से 46,850 मेगावाट यानि कुल क्षमता का 11.3 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस का योगदान 24,824 मेगावाट यानि क्षमता का महज 6 प्रतिशत और परमाणु ऊर्जा से 6780 मेगावाट, सौर उर्जा से 66,780 मेगावाट यानि 16.1 प्रतिशत, डीज़ल से 589 मेगावाट यानि 0.1 प्रतिशत, हवा से 42,633 मेगावाट यानि 10.2 प्रतिशत, बायो मास पावर/कोजेन से 10,248 मेगावाट, अपशिष्ट से 554 मेगावाट, लघु हाइड्रो से 4944 मेगावाट, नाभिकीय से 6780 मेगावाट बिजली उत्पन्न होती है। देश के सभी घरों तक 24 घंटे बिजली पहुंचाने के लिए मौजूदा क्षमता कम पड़ेगी। इसके लिए वर्तमान क्षमता से कम से कम 30 फीसदी अधिक बिजली की जरूरत होगी। इसके लिये देश में पावर प्लांटों में 100 फीसदी बिजली उत्पादन करना होगा। बिजली आज पूरी दुनिया की सबसे अहम जरूरत बन गयी है। बिजली के बिना कोई भी देश तरक्की नहीं कर सकता है। थोड़े से समय के लिये बिजली चली जाने पर हमारे अधिकतर काम रूक जाते हैं। बिजली हमारे जनजीवन का कब मुख्य हिस्सा बन गयी हमें पता ही नहीं चल पाया। आज हमारा पूरा जनजीवन बिजली से जुड़ा हुआ है। बिजली का उत्पादन मशीनो से किया जाता है। ऐसे में हमें हर हाल में बिजली का दुरूपयोग नहीं करना चाहिये। सौर ऊर्जा प्रदूषण रहित, निर्बाध गति से मिलने वाला सबसे सुरक्षित ऊर्जा स्रोत है। भारत में सौर ऊर्जा लगभग बारह महिने उपलब्ध है। सौर ऊर्जा को और अधिक उन्नत करने के लिए हमें अपने संसाधनों का उपयोग करना चाहिए। ऊर्जा के मामले में अधिक समय तक दूसरों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता है। ऊर्जा के क्षेत्र में हमें अपनी तकनीक और संसाधनों का उपयोग कर आत्मनिर्भरता हासिल करनी ही होगा। यह दुख का विषय है कि बहुत लम्बे समय तक हमने सौर ऊर्जा के उत्पादन व उपयोग पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। हमारे देश की परिस्थितियां विषम होने के कारण हमें सभी उपलब्ध ऊर्जा विकल्पों पर विचार करना होगा। इसके साथ ही ऊर्जा संरक्षण के व्यावहारिक कदमों को अपनाना होगा ताकि बड़े पैमाने पर बिजली की बचत हो सके। हमारे देश में ऊर्जा की मांग तीव्रगति से बढ़ रही है। लेकिन उत्पादन में खपत की तुलना में बढ़ोत्तरी नहीं हो पा रही है। देश में चल रही पुरानी बिजली परियोजनाएं कभी पूरा उत्पादन नहीं कर पाईं है। नई स्थापित होने वाली परियोजनाओं के लिए स्थितियां अनुकूल नहीं होती हैं। देश में बिजली के इस संकट को अगर अभी समय रहते दूर नहीं किया गया तो आने वाले समय में गंभीर संकट का सामना करना होगा। दुर्भाग्यवश हमारे देश में खनिज, पेट्रोलियम, गैस, उत्तम गुणवत्ता के कोयला जैसे प्राकृतिक संसाधन बहुत सीमित मात्रा में ही उपलब्ध हैं। ऊर्जा की बचत किये बिना हम विकसित राष्ट्र का सपना नहीं देख सकते हैं।

आज जिस तेजी के साथ हम प्राकृतिक और पराम्परिक ऊर्जा के स्त्रोतों का उपयोग कर रहे हैं। उस रफ्तार से 40 साल बाद हो सकता है हमारे पास तेल और पानी के बड़े भंडार खत्म हो जाए। उस स्थिति में हमें ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्त्रोतों यानि सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा जैसे साधनों पर निर्भर होना पड़ेगा। लेकिन ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्त्रोतों को इस्तेमाल करना थोड़ा मुश्किल है और इस क्षेत्र में कार्य अभी प्रगति पर है। इन स्त्रोतों को इस्तेमाल में लाने के लिए कई तरह के वैज्ञानिक शोध चल रहे हैं जिनके परिणाम आने और आम जीवन में इस्तेमाल लाने के लायक बनाने में अभी समय लगेगा। इसे देखते हुए अगर हमने अभी से ऊर्जा के स्त्रोतों का संरक्षण करना शुरू नहीं किया तो आगे चलकर हालात बहुत बदतर हो सकते हैं।

केंद्र सरकार का कहना है कि देश के अब सभी 5 लाख 97 हजार 464 गांवों का विद्युतीकरण हो गया है। सरकार की परिभाषा के मुताबिक वे गांव इलेक्ट्रिफाइड माने जाते हैं। जहां बेसिक इलेक्ट्रिकल इंफ्रास्ट्रक्चर हो और गांव के 10 फीसदी मकानों और सार्वजनिक जगहों पर बिजली हो। भारत में बीते एक दशक के दौरान बढ़ती आबादी, आधुनिक सेवाओं तक पहुंच, विद्युतीकरण की दर तेज होने और सकल घरेलू आय में वृद्धि की वजह से ऊर्जा की मांग काफी बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मांग को सौर ऊर्जा के जरिए आसानी से पूरा किया जा सकता है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाओं को देखते हुए अब विदेशी कंपनियों की निगाहें भी भारत पर हैं।

आज विश्व का हर देश कागजी स्तर पर तो ऊर्जा संरक्षण की बड़ी-बड़ी बातें करता है। लेकिन ऊर्जा की बर्बादी में सबसे आगे नजर आते हैं। अगर भारत की बात की जाए तो यहां विश्व में पाएं जाने वाली ऊर्जा का बहुत कम प्रतिशत हिस्सा पाया जाता है। लेकिन इसकी तुलना में हम इसको कहीं ज्यादा खर्चा करते हैं। हमारे देश में आज ऊर्जा बचत के उपायों को शीघ्रतापूर्वक और सख्ती से अमल में लाए जाने की जरूरत है। इसमें देश के हर नागरिक की भागीदारी होनी चाहिए। हर संभव ऊर्जा बचत करें तथा औरों को भी इसका महत्व बताएं।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

## संपादकीय

### सुविधा की निकासी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानी ईपीएफओ ने अपने खाताधारकों को अगले साल से सीधे एटीएम से पैसा निकालने की सुविधा देने का फैसला किया है। अब तक विभागीय जटिल प्रक्रिया व लालफीताशाही के चलते कर्मचारियों को जरूरत पड़ने पर अपना ही पैसा निकालने के लिये दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। कुल मिलाकर धन निकासी में विभागीय हस्तक्षेप कम करने का प्रयास किया गया है। निश्चित रूप से श्रम मंत्रालय की यह पहल सामाजिक सुरक्षा को सरल बनाने की दिशा में एक बड़ा बदलावकारी कदम है। यह कदम दक्षता सुधार व कर्मचारियों की अपने पैसे तक पहुंच बढ़ाने के लिये सार्वजनिक सेवा के साथ प्रौद्योगिकी के एकीकरण का अच्छा उदाहरण है। दरअसल, फिलहाल ईपीएफओ की निकासी प्रक्रिया में देरी के कारण खाताधारकों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। काफी समय के बाद जरूरतमंदों के खाते तक जरूरी राशि पहुंच पाती है। निश्चय ही पीएफ निकासी कार्ड का उद्देश्य उस लालफीताशाही को दूर करना है, जिसके चलते कर्मचारियों को पैसा समय पर मिल पाएगा। वैसे कुल राशि का पचास फीसदी निकासी सीमा तय करना, वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने तथा दीर्घकालीन बचत सुरक्षा को बढ़ावा देना वाला कदम ही है। इसके अलावा भी ईपीएफओ अपने व्यापक एजेंडे के साथ आगे बढ़ रहा है, जिसमें योगदान की सीमा बढ़ाना, भविष्य निधि बचत को पेंशन के रूप में परिवर्तित करना भी शामिल है। निश्चित रूप से यह पहल सामाजिक सुरक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को ही उजागर करती है। जिसका मकसद अपने कार्यबल के लिये डिजिटलीकरण को बढ़ाना तथा जीवनयापन को आसान बनाना भी है। यह सुखद ही है कि वर्ष 2017 के बाद ईपीएफओ के सत्तर मिलियन सदस्य बढ़े हैं। उल्लेखनीय है कि इस नई सुविधा के लिये संगठन ने अपने खाताधारकों को एक विशेष पीएफ कार्ड देने का निर्णय लिया है। जो बैंक के एटीएम कार्ड की तरह काम करेगा। बहरहाल, खाताधारक अगले साल जनवरी से अपने कार्ड के जरिये अपने खातों से सीधा पैसा निकाल सकेंगे। निस्संदेह, अब खाताधारकों के लिये पीएफ क्लेम करना और आसान हो जाएगा। वहीं एटीएम से पैसा निकालने की सुविधा के बाद इसमें मानवीय हस्तक्षेप हो जाएगा। लेकिन एक बार में खाताधारक पीएफ बैलेंस का अधिकतम पचास फीसदी धन ही निकाल पाएंगे। विभाग का कहना है कि आईटी सिस्टम को उन्नत किया जा रहा है ताकि क्लेम प्रक्रिया को आसान व तेज बनाया जा सके। अब खाताधारकों को ईपीएफओ ऑफिस जाने अथवा लंबी प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं होगी। उपभोक्ता चौबीस घंटे, यहां तक कि छुट्टियों में भी पैसा निकाल सकेंगे। जिससे आपातकालीन जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा। हालांकि, फिलहाल भी विशेष परिस्थितियों मसलन घर खरीदने, बच्चों की पढ़ाई, शादी व बीमारी पर एक निश्चित रकम निकालने का प्रावधान है। उसमें भी नौकरी की कार्यावधि तथा धन की निर्धारित रकम तक की सुविधा ही शामिल है।

# ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता जरूरी

(लेखक- योगेश कुमार गोयल/ ईएमएस)

(राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस (14 दिसम्बर) पर विशेष)

ऊर्जा मंत्रालय के अधीनस्थ ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा ऊर्जा दक्षता तथा संरक्षण में भारत की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस' का आयोजन एक विशेष थीम के साथ किया जाता है। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस की इस वर्ष की थीम है 'स्थायित्व को बढ़ावा देना- हर वाट मायने रखता है'। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा वर्ष 2001 में देश में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था। दरअसल दुनियाभर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और उसी के अनुरूप ऊर्जा की खपत भी निरन्तर बढ़ रही है लेकिन दूसरी ओर जिस तेजी से ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, उससे भविष्य में परम्परागत ऊर्जा संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। अगर ऐसा होता है तो मानव सभ्यता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। यही कारण है कि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्रोतों को बचाने के लिए विश्वभर में ऊर्जा संरक्षण की ओर विशेष ध्यान देते हुए इसके प्रतिस्थापन के लिए अन्य संसाधनों को विकसित करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। ऊर्जा के अपव्यय को कम करने, ऊर्जा बचाने और इसके संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए ही देश में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रतिवर्ष एक खास विषय के साथ कुछ लक्ष्यों तथा उद्देश्यों को मद्देनजर रखते हुए लोगों के बीच इन्हें अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग को न्यूनतम करते हुए लोगों को मानवता के सुखद भविष्य के लिए ऊर्जा की बचत के लिए प्रेरित करना ही है।

विद्युत मंत्रालय द्वारा देश में ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू किया गया 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान' एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान है। देश में ऊर्जा संरक्षण तथा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1977 में केन्द्र सरकार द्वारा पैट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का गठन किया गया था। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2001 में एक अन्य संगठन 'ऊर्जा दक्षता ब्यूरो' स्थापित किया गया। ब्यूरो का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर अपने घर अथवा कार्यालय में लाईट, पंखे, हीटर, कूलर, एसी तथा बिजली के अन्य किसी भी उपकरण के अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण करते हुए ऊर्जा की बचत कर सकता है। अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से उल्लेख किया है कि किस प्रकार छोटे-छोटे स्तर पर ऊर्जा संरक्षण के लिए कदम उठाकर भी प्रत्येक नागरिक देश के राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान में बहुत बड़ी मदद दे सकता है और इस प्रकार बड़ी मात्रा में ऊर्जा संरक्षण किया जा सकता है। अगर ऐसे ही कुछ छोटे उपायों का उल्लेख किया जाए तो पुराने बल्बों के स्थान पर सीएफएल या एलईडी बल्बों का इस्तेमाल किया जाए। आई.एस.आई. चिन्हित विद्युत उपकरणों का ही उपयोग करें। यथासंभव दिन के समय सूर्य की रोशनी का अधिकतम उपयोग किया जाए और जरूरत न होने पर लाइटें, पंखे, कूलर, ए.सी., हीटर, गीजर इत्यादि विद्युत उपकरण बंद रखें। खाना पकाने के लिए बिजली के उपकरणों के बजाय सोलर कुकर और पानी गर्म करने के लिए बिजली के गीजर के बजाय सोलर वाटर हीटर के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। भवन निर्माण के समय प्लाट के चारों ओर वृक्ष लगाए जाएं तो प्रचण्ड गर्मी में भी भवन गर्म होने से बचेंगे और कूलर, एसी इत्यादि की जरूरत कम होगी। मकानों या कार्यालयों में दीवारों पर हल्के रंगों के प्रयोग से कम रोशनी वाले बल्बों से भी कमरे में पर्याप्त रोशनी हो सकती है। इससे न केवल ऊर्जा संरक्षण अभियान में सहभागी बनकर हम भविष्य के लिए ऊर्जा बचाने में मददगार बनेंगे बल्कि अपना बिजली बिल भी सीमित रख सकेंगे।

सार्वजनिक स्थानों पर सौर लाइटों की व्यवस्था होनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार कार्यस्थल पर दिन के समय प्राकृतिक रोशनी में कार्य करने वाले लोगों की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है और ऊर्जा की खपत में अपेक्षित कमी आती है, वहीं तेज कृत्रिम रोशनी वाले स्थानों पर काम करने से कर्मियों में तनाव, सिरदर्द, रक्तचाप, थकान जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं देखी जाती हैं और उनकी कार्यकुशलता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस में यदि पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी का व्यवस्था हो तो इससे ऊर्जा संरक्षण होने के साथ-साथ कर्मचारियों की कार्यक्षमता भी बढ़ती है। प्रतिवर्ष देश में हजारों गैलन पानी बर्बाद होता है, इसलिए ऊर्जा संरक्षण की बात करते समय जल की बर्बादी को रोकने पर पर्याप्त ध्यान दिया जाना भी बेहद जरूरी है। न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतें पूरी करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। ऐसी गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगा लेकिन ऊर्जा के संसाधन गैर-अक्षय हों या अक्षय, हमें अपने जीवन में ऊर्जा के महत्व को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक होना ही होगा। देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि ऊर्जा चाहे किसी भी रूप में हो, वह उसे व्यर्थ में नष्ट न करे। अपने और आने वाली पीढ़ियों के सुखद भविष्य के लिए हमें अपने व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण की आदतों को शामिल करना ही होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार तथा पर्यावरण पर चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के लेखक हैं)

## (चिंतन-मनन)




### दुखः भी सहें

आज स्थिति यह है कि महात्मा बनना तो सब चाहते हैं, पर उनके अनुरूप कार्यो से जी चुराते हैं। बलिदान करने के समय हिचकिचाते हैं, वे महान कैसे बन सकते हैं। बादशाह ने सुना, मेरे राज्य में स्थान-स्थान पर रामायण का पारायण हो रहा है। उसे झुंझलाहट हुई। वह कहने लगा-मेरे शासन में राम के गीत गाए जाएं ऍसा क्यों? उत्तर मिला-यहां हिन्दुओं की संख्या अधिक है। कुछ सोचकर बादशाह बोला, समुद्र में रहते हैं मगरमच्छ से वैर। मेरे राज्य में मेरी रामायण चलेगी। बादशाह ने वाकई में अनेक पण्डितों को बुलाकर अपनी रामायण बनाने का आदेश दे दिया, पंडित असमंजस में पड़ गए। करते भी क्या? आखिर उन्हें एक उपाय सूझा। कई दिन बीतने के बाद वे बादशाह के पास गए।

बादशाह- क्या मेरी रामायण तैयार हो गई?

पंडित- जहांपनाह! रामायण करीब-करीब पूरी होने वाली है पर एक बात अधूरी है उसके बिना रामायण पूरी नहीं होगी।

बादशाह- वह क्या है?

पंडित- रामायण में राम की पत्नी सीता को रावण चुरा कर ले गया था। आपकी कौन-सी बेगम को कौन चुरा कर ले गया!

बादशाह- (प्रोध में आकर) मेरी बेगम को क्यों ले जाए? टुकड़े-टुकड़े कर दो, ऐसी रामायण मुझे नहीं चाहिए। उसने नई रामायण बनवाने का विचार त्याग दिया।

कहने का आशय यह है कि आज भी प्राय- व्यक्ति अपनी रामायण (प्रशस्ति) चाहते हैं, पर कष्ट देखना, सहना कोई नहीं चाहता। महात्मा गांधी बनने को सब तैयार हैं, लेकिन गोली खाने के लिए कौन तैयार है?

## विचार मंथन

# सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक स्थलों के सर्वे पर लगाई रोक, केंद्र से मांगा जवाब

(लेखक-सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच ने धार्मिक उपासना स्थलों के मामले में अगले आदेश तक सर्वे एवं अन्य अदालती कार्यवाही पर रोक लगा दी है, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से चार सप्ताह के अंदर जवाब मांगा है। 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या विवाद पर अपना फैसला आस्था के आधार पर अयोध्या का विवाद सुलझाया था। इस निर्णय का किसी पक्ष ने विरोध नहीं किया था।यह माना जा रहा था, अयोध्या मैं बाबरी मस्जिद और मंदिर विवाद का हल हो जाने के बाद, देश में शांति स्थापित होगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में स्पष्ट रूप से कहा था। इस निर्णय का असर 15 अगस्त 1947 में जो धार्मिक स्थल जहां पर स्थित थे। उनके अस्तित्व पर कोई विपरीत प्रभाव डालने वाला नहीं होगा। 2022 के बाद 9 नए मुस्लिम धार्मिक स्थल के विवाद न्यायालयों में आ गए। एक बार फिर देश में 1947 जैसी स्थिति देखने को मिलने लगी। चिंता का सबसे बड़ा कारण है। अयोध्या मंदिर विवाद के हल होने के बाद आए दिन मुसलमानों के धार्मिक स्थलों को लेकर हिंदू संगठनों द्वारा लगातार विवाद पैदा किया जा रहे हैं। पहले काशी और मथुरा की बात हो रही थी। उसके बाद एक दर्जन से अधिक धार्मिक स्थलों को लेकर विवाद शुरू हो गए। ज्ञानवापी मस्जिद बनारस, कर्नाटक मे बाबा बुदन गिरी दरगाह तथा लखनऊ की टीले वाली मस्जिद का विवाद पहले से न्यायालय में चल रहे थे। अब इनकी सुनवाई में तेजी आ गई है। 2022 के बाद से दिल्ली की जामा मस्जिद, हैदराबाद का चारमीनार, तेलंगाना का वेमुलावाड़ा मंदिर/मस्जिद का एक नया विवाद सामने आ गया है। भोजशाला धार मध्य प्रदेश का विवाद भी गहराता चला जा रहा है। हाल ही में जामा मस्जिद संभल उत्तर प्रदेश, अटाला मस्जिद जौनपुर उत्तर प्रदेश, कर्नाटक की जामा मस्जिद जो बेंगलुरु में है। बदायूं की जामा मस्जिद, शाही ईदगाह मस्जिद मथुरा, जामा मस्जिद फतेहपुर सीकरी तथा राजस्थान के अजमेर में स्थित सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह हिंदू संगठनों के निशाने पर आ गई है। ताजमहल को लेकर भी समय-समय पर विवादित बयान देखने को मिलते हैं। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश चन्द्रचूड़ के एक फैसले के बाद 2022 से हिंदू संगठनों द्वारा मुसलमानों के धार्मिक स्थलों के विवाद पर, ट्रायल कोर्ट में सर्वे के आवेदन कर मुस्लिम धार्मिक स्थलों को विवादित बना दिया गया है। हिंदू धार्मिक स्थल होने का दावा कर, अदालतों में सैकड़ों वर्ष पुराने मुस्लिम धार्मिक स्थलों के सर्वे की मांग की जा रही है। कुछ न्यायालयों ने सर्वे के आदेश भी दिए हैं। जिसके कारण देश में एक बार फिर धार्मिक आधार पर सैकड़ो और हजारों वर्ष पुराने धार्मिक स्थल विवादों मे आ गए हैं।1991 में केंद्र सरकार द्वारा उपासना स्थल अधिनियम लागू है। जिसके अनुसार 15 अगस्त 1947 को धार्मिक स्थलों की जो स्थिति थी।वह वैसे ही बनी रहेगी। इसमें किसी तरह का विवाद उत्पन्न नहीं किया जा सकता है। यह कानून अभी भी अस्तित्व में है। कानून होते हुए भी ट्रायल कोर्ट सर्वे करने के आदेश जारी कर रहे हैं।सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को इस मामले की सुनवाई हुई है।मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति पीवी संजय कुमार और न्यायमूर्ति मनमोहन की बेंच ने इस मामले की सुनवाई करते हुए सभी लंबित कार्रवाइयों पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से चार सप्ताह के अंदर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से निश्चित रूप से भारत में जो धार्मिक सौहार्द्र बिगाड़ने की कोशिश की जा रही थी। उसमें एक अल्पविराम लग गया है। देखना यह है कि केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट में कब अपना जवाब प्रस्तुत करती है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में क्या फैसला करती है। अभी जिस तरह की हालत बनी हुई थी, निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को एक राहत के रूप में देखा जा सकता है। भारत में पिछले 10 वर्षों से धार्मिक ध्रुवीकरण के जो प्रयास किया जा रहे हैं। उसने भारत के विकास और सामाजिक समरसता को काफी नुकसान पहुंचाया है। ऐसी स्थिति में सरकार और सुप्रीम कोर्ट दोनों को ही बड़ी गंभीरता के साथ विवेचना करते हुए भारत को वर्तमान से भविष्य की ओर ले जाने का निर्णय करना होगा। अभी जिस तरह की गतिविधियां हो रही हैं। उससे ऐसा लगता है कि भारत वर्तमान से भूत की ओर जा रहा है। जिसके कारण वर्तमान और भविष्य दोनों ही बिगड़ रहे हैं। सामाजिक और आर्थिक विकास हमेशा भविष्य की ओर देखते हैं। इतिहास से केवल सबक लिया जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

SBI
AMRIT VRISHTI
FD Scheme

## एसबीआई की अमृत वृष्टि योजना- बेहतर निवेश का अवसर

**आम ग्राहकों को 7.25 और वरिष्ठ को 7.75 फीसदी ब्याज दर मिलेगी**

**मुंबई ।** वर्तमान समय में निवेश करने के लिए मिल रहे अनगिनत ऑप्शन्स में से एक है भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की नई अमृत वृष्टि योजना। यह सावधि जमा योजना है जिसका आकर्षण है उसकी अवधि के साथ सुनहरा ब्याज दर है। इस योजना में निवेश करने पर आम ग्राहकों को 7.25 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 7.75 फीसदी की ब्याज दर मिलेगी। इस योजना के तहत जो आशन किए जा रहे हैं, वे महिलाएं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी हैं। सीमित अवधि की यह जमा योजना 444 दिनों के लिए है और उन्हें 16 जुलाई 2024 से मिलेगी। निवेश करने का अंतिम तारीख 31 मार्च 2025 है। इस योजना को किसी भी भारतीय नागरिक के लिए खोला गया है, चाहे वो निवासी हो या अनिवासी और इसमें व्यक्तिगत, संयुक्त खाते और कंपनियां भी निवेश कर सकती हैं।

## मुंबई में 455 करोड़ का बिका प्लॉट, रजिस्ट्री पर खर्च हुए 27.30 करोड़

**मुंबई।**

मुंबई में एक साढ़े 19 हजार वर्ग फिट का प्लॉट 455 करोड़ में बिका है। इतने महंगे प्लॉट की खासियत यह है कि ये जुहू इलाके में है जहां बॉलीबुड की तमाम हस्तियां रहती हैं। स्क्वायर याड्र्स के अनुसार, अग्रवाल होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड ने मुंबई के अत्यधिक मांग वाले जुहू इलाके में एक लैंड पार्सल का अधिग्रहण किया है, जिसकी कीमत 455 करोड़ रुपये है। यह प्लॉट शापूरजी पालोनजी ग्वालियर प्राइवेट लिमिटेड से हासिल किया था। स्क्वायर याड्र्स ने इस प्लॉट के रजिस्ट्रेशन डॉक्युमेंट को देखने के बाद बताया कि यह लैंड पार्सल लगभग 1,819.90 वर्ग मीटर (19,589.22 वर्ग फुट) के क्षेत्र में फैला है। इस लैंड डील को नवंबर 2024 में रजिस्ट्रेशन के बाद फाइनल किया गया। इस प्लॉट की रजिस्ट्री में 27.30 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी और 30,000 रुपये का रजिस्ट्रेश चार्ज लगा है। इससे पहले, अग्रवाल होल्डिंग्स ने सितंबर 2022 में जुहू में लगभग एक एकड़ और तीन-चौथाई एकड़ में फैले दो लैंड पार्सल का अधिग्रहण किया था, जिसका कुल मूल्य 332.8 करोड़ रुपये था। कैपिटल मार्केट एंड सर्विसेज, स्क्वायर याड्र्स के फाउंडर आनंद मूर्ति ने कहा, मुंबई देश की कमर्शियल कैपिटल है और एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र है इसलिए यहां प्रॉपर्टी की कीमतें बहुत ज्यादा हैं। बता दें कि मुंबई में बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स और साउथ व वेस्ट मुंबई की कई लोकेशन की मांग सबसे ज्यादा है। वहीं, जुहू और बांद्रा भी समंदर से अपनी नजदीकी और लग्जरी हाउसिंग प्रोजेक्ट्स के लिए निवेश के लिए हमेशा से आकर्षण का केंद्र रहा है।

## फिक्की एफएलओ की वार्षिक बैठक में 350 महिला प्रतिनिधि शामिल

**गुवाहाटी ।**

फिक्की महिला संगठन की अंतरराज्यीय बैठक में देश भर से लगभग 350 व्यवसायी महिलाएं और उद्यमी शो मिल हुई हैं। एफएलओ के पूर्वोत्तर चैप्टर द्वारा आयोजित मिस्टिकल नॉर्थईस्ट नामक इस बैठक में भाग लेने वाली महिलाएं प्रतिनिधि हैं। यह चार दिवसीय बैठक गुवाहाटी और शिलांग में आयोजित की जा रही है। इस बैठक में भारत के 20 चैप्टर से महिला उद्यमियों और पेशेवरों को एक साथ लाने का उद्देश्य है। इसके दौरान सलाह, नेटवर्किंग, और प्रदर्शन का मौका दिया जा रहा है। बैठक के पहले दो दिन गुवाहाटी में आयोजित होंगे और बाकी दो दिन शिलांग में। एफएलओ के माध्यम से इस सम्मेलन ने महिलाओं के उद्यमिता और एकजुटता को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण कदम साबित होने की उम्मीद है।

# बजाज ऑटो 20 दिसंबर को लॉन्च करेगा अपडेटेड चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर

**नई दिल्ली ।**

स्वदेशी कंपनी बजाज ऑटो लोकप्रिय इलेक्ट्रिक स्कूटर चेतक का अपडेटेड मॉडल लॉन्च करने जा रहा है। कंपनी 20 दिसंबर को इसे लांच करेगी। कंपनी नए वर्जन में नए बॉडी फ्रेम का इस्तेमाल करेगी, जिसमें बैटरी पैक अब स्कूटर के फ्लोरबोर्ड के नीचे फिक्स होगा। इसके अलावा, अंडर सीट स्टोरेज को बढ़ाकर 22 लीटर तक किया जाएगा, जिससे ग्राहकों को ज्यादा स्पेस मिलेगा। नए चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर के डिजाइन में कुछ मामूली बदलाव हो सकते हैं, हालांकि इसकी स्टाइल और लुक्स में बहुत बड़ा परिवर्तन नहीं होगा। स्कूटर में नए बैटरी पैक के साथ ज्यादा रेंज मिलने की उम्मीद है, जिससे ग्राहक लंबी दूरी तय करने में सक्षम होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नया मॉडल मौजूदा वर्जन के आसपास की कीमत पर लॉन्च किया जा सकता है, जो कि 96,000 रुपये से लेकर 1.29 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) के बीच है। अनुमान है कि नए मॉडल की एक्स-शोरूम कीमत लगभग 1 लाख रुपये हो सकती है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में स्टील बॉडी के साथ कुछ नई डिजाइन फीचर्स मिलेंगे, जैसे बॉडी कलर्ड रियर व्यू मिरर, सैटिन ब्लैक ग्रैब रेल, मैचिंग पिलियन फुटरेस्ट और चारकोल ब्लैक फिनिश टू हेडलाइट केसिंग। स्कूटर में डिस्क ब्रेक, अलॉय व्हील, एलईडी लाइटिंग, टेलीस्कोपिक फ्रंट सस्पेंशन और आईपी67 रेटेड वॉटरप्रूफ बैटरी जैसे महत्वपूर्ण फीचर्स भी दिए जाएंगे। इसके अलावा, एक एक्स्ट्रा 'स्पोर्ट' राइड मोड भी मिलेगा। भारत में चेतक का मुकाबला एथर रिज्टा जेड, ओला एस1 प्रो और टीवीएस आई-क्यूब जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटर्स से है। ब्रेकिंग सिस्टम में सुधार करते हुए नए मॉडल में डिस्क ब्रेक सेटअप भी दिया जा सकता है। नए चेतक में हिल-होल्ड कंट्रोल, फॉलो मी होम लाइट, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, म्यूजिक कंट्रोल, कॉल अलर्ट, कस्टमाइजेबल थीम के साथ कलर्ड टीएफटी डिस्प्ले और ब्लूटूथ ऐप कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी।

## रक्षा मंत्रालय ने एचएएल से 12 सुखोई जेट खरीदने किया करार

**सरकार ने जेट्स की खरीद के सौदे पर हस्ताक्षर किए**

नई दिल्ली । रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए उन्हें और अधिक शक्तिशाली और तैयार बनाने के लिए 12 सुखोई जेट्स की खरीद के सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं। इस 13,500 करोड़ रुपये के समझौते के ज़रिए, भारतीय रक्षा उद्योग का संयम और अनुभव ताकत में वृद्धि करेगा। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ हुई इस डील के माध्यम से, एसयू-30 एमकेआई जेट्स का निर्माण अब भारत में ही होगा। यह एक महत्वपूर्ण क़दम है जो भारत के आत्मनिर्भरता की धारा को मज़बूत करेगा। विमानों में घरेलू सामग्री का 62.6 प्रतिशत शामिल होने से, भारतीय वायुसेना की योग्यता और तैयारी में सुधार होगा। इस सौदे ने भारत के सशस्त्र बलों की ताकत को बढ़ावा देने के लिए एक नया मार्ग प्रदर्शित किया है। रक्षा मंत्रालय ने इस महत्वपूर्ण खरीद के संदर्भ में सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक बयान जारी किया है, जिसमें इस सौदे की महत्वपूर्णता और फायदे पर जोर दिया गया है। इसके माध्यम से, भारत ने अपने रक्षा सेक्टर को आगे बढ़ाया है और अपनी रक्षा तंत्र को मज़बूत करने के लिए ठोस क़दम उठाए हैं।

## दूसरों को मनपसंद डिश खिलाने वाली जोमैटो सरकार के डकार गई 803 करोड़! अब होगी वसूली

**नई दिल्ली।** जोमैटो को लेकर सरकार ने एक खुलासा किया है। सरकार ने कहा है कि जोमैटो ने 803 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी की है और अब उसे वसूली के लिए नोटिस भेजा गया है। दूसरी ओर, जोमैटो ने इन आरोपों से इनकार किया और कहा है कि वह इससे बचने के लिए कानूनी सहारा लेगी। ऑनलाइन ऑर्डर पर खाने-पीने का सामान पहुंचाने वाले मंच जोमैटो ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया है कि महाराष्ट्र के ठाणे जिले में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग ने उसे 803.4 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड मांग नोटिस भेजा है। इसमें ब्याज और जुर्माना भी शामिल है। कंपीन का कहना है कि डिलिवरी शुल्क पर ब्याज और जुर्माना के साथ जीएसटी का भुगतान न करने के संबंध में उसे नोटिस मिला है। जोमैटो ने कहा, 'कंपनी को 12 दिसंबर, 2024 को एक आदेश प्राप्त हुआ है। यह आदेश 29 अक्टूबर, 2019 से 31 मार्च, 2022 की अवधि के लिए सीजीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क, ठाणे आयुक्तालय, महाराष्ट्र के संयुक्त आयुक्त द्वारा पारित किया गया है। इसमें लागू ब्याज के साथ 401,70,14,706 रुपये के जीएसटी की मांग और 401,70,14,706 रुपये के जुर्माने की पुष्टि की गई है।'

# अचानक शेयर बाजार ने मारी पलटी...

**सेंसेक्स 2000 अंक चढ़कर बंद**

**नई दिल्ली ।**

भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह के आखिरी दिन भारी उठापठक देखी जा रही है। शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में भारी गिरावट आई थी। लेकिन अब ना सिर्फ रिकवरी की है, बल्कि शानदार तेजी आई है। सेंसेक्स अभी 843 अंक चढ़कर 82,133 लेवल पर क्लोज हुआ, जबकि निफ्टी करीब 219 अंक उछलकर 24,768 पर बंद हुआ। इसके अलावा, बैंक निफ्टी में भी अच्छी तेजी देखने को मिली है। वहीं दोपहर तक शेयर बाजार में भारी गिरावट थी। सेंसेक्स 1200 अंक तक टूट चुका था और निफ्टी में 300 अंकों की गिरावट आई थी।

ऐसे में देखा जाए तो सेंसेक्स शुक्रवार के लो लेवल यानी 80,082 की तुलना में हाई लेवल 82,213.92 पर पहुंचा है, जो 2000 अंकों की उछाल है। वहीं निफ्टी दिन के लो लेवल से 600 अंकों की तेजी दिखाई है। शेयर बाजार में इतनी तेज रिकवरी की वजह हैवीवेट स्टॉक में शानदार तेजी और निवेशकों द्वारा लार्ज कैप स्टॉक में खरीदारी को माना जा रहा है।

बीएसई सेंसेक्स के टॉप 30 शेयरों में से 27 शेयर उछाल पर थे, जबकि तीन शेयर टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक और जेएसडब्लू स्टील दबाव में थे। सबसे तेज उछाल भारती एयरटे के शेयर में 4.43 फीसदी की आई। इसके बाद कोटक बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाइटन और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी रही, जबकि सुबह के दौरान इन शेयरों में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी गई थी।

**79 शेयरों ने लगाया अपर सर्किट**

वहीं एनएसई की बात करें तो टॉप 50 शेयरों में से 40 शेयरों में तेजी रही, जबकि 10 शेयर ही गिरावट पर थे। 79 शेयरों ने अपर सर्किट लगाया था और 73 शेयरों ने लोअर सर्किट लगाया। इसके अलावा, 83 शेयर 52 सप्ताह के हाई पर थे और 18 शेयर 52 सप्ताह के निचले स्तर पर थे।

# यूपी से बिहार तक सस्ता हुआ तेल, हर जिले में बदला भाव

**-ब्रेंट क्रूड का भाव नीचे आकर 73.41 डॉलर प्रति बैरल हुआ**

**नई दिल्ली ।**

वैश्विक बाजार में पिछले 24 घंटे के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में खास बदलाव नहीं आया। इस वजह से शुक्रवार सुबह देश के ज्यादातर शहरों में तेल की कीमतों में नरमी देखी जा सकती है। शुक्रवार को यूपी से से बिहार तक सभी जिले में तेल के दाम में बदलाव हुआ है। ज्यादातर बड़े शहरों में तेल की कीमतों में गिरावट दिख रही है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 27 पैसे सस्ता होकर 94.71 रुपये लीटर, डीजल भी 32 पैसे गिरा और 87.81 रुपये लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 13 पैसे सस्ता हुआ और 105.60 रुपये लीटर हो गया, जबकि डीजल 13 पैसे गिरकर 92.43 रुपये लीटर पहुंच गया है। यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 16 पैसे चढ़कर 94.73 रुपये लीटर तो डीजल 19 पैसे चढ़कर 87.86 रुपये लीटर बिक रहा है।

कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में मामूली गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव नीचे आकर 73.41 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ले यूटीआई भी गिरकर 69.90 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और

डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.71 रुपये और डीजल 87.81 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.60 रुपये और डीजल 92.43 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.73 रुपये और डीजल 87.86 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

## ब्रुकफील्ड इंडिया ने क्यूआईपी के जरिये 3,500 करोड़ जुटाए

**- कंपनी को कर्ज घटाने की योजना को पूरा करने में मदद मिलेगी**

**नई दिल्ली।** ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट ने कर्ज घटाने के लिए क्यूआईपी निर्गम के जरिये संस्थागत निवेशकों से 3,500 करोड़ रुपये जुटाए हैं। यह घोषणा उनके शेयर बाजार में पहली बार की गई है। ब्रुकफील्ड ने शुक्रवार को शेयर बाजार को सूचित किया कि उन्होंने क्यूआईपी के माध्यम से 3,500 करोड़ रुपये जुटाए हैं। यह निवेश नौ दिसंबर को किया गया था और संस्थागत नियोजन के द्वारा किया गया था। इस निर्गम में लंबी अवधि के निवेशकों की मजबूत मांग देखी गई, जिसमें संस्थागत नियोजन, म्यूचुअल फंड और जीवन बीमा कंपनियों ने शामिल होकर निवेश किया। ब्रुकफील्ड ने दावा किया कि इस निर्गम के तहत भारत में पहली बार अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम और भारतीय जीवन बीमा निगम ने निवेश किया है। इसके साथ ही, एसबीआई म्यूचुअल फंड और आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड भी मुख्य निवेशकों में शामिल हैं। इस पूंजी के माध्यम से ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट का कर्ज घटाने की योजना को पूरा करने में मदद मिलेगी और कंपनी के अगले कदमों के लिए मजबूती बढ़ेगी।

# अब 2 दिन में बंद हो जाएगी एसआईपी, नहीं लगेगा जुर्माना

**- सेबी ने म्यूचुअल फंड कंपनियों को दिए सख्त निर्देश**

**नई दिल्ली ।**

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के माध्यम से म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है, भारतीय प्रतिभूति और विनियमक बोर्ड (सेबी) ने नया नियम लागू कर दिया है जिसके अनुसार अब आपको एसआईपी बंद करने के लिए सिर्फ दो दिन का इंतजार करना होगा। यह नियम 1 दिसंबर, 2024 से लागू हो चुका है। पहले सिपाहियों को 10 वर्किंग डेज़ का इंतजार करना पड़ता था, जिससे कई लोग अपनी सिप बंद करने में समय परेशान होते थे। इस नए नियम से निवेशकों को बड़ी राहत मिलेगी, क्योंकि अब वे अपने एसआईपी को दो दिन पहले ही बंद कर सकेंगे। यह न केवल जुर्माने से बचाएगा, बल्कि उन्हें अपने निवेश पर अधिक नियंत्रण भी मिलेगा। सेबी ने इस नए नियम को पारदर्शिता और निवेशकों के हितों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। वरिष्ठ आर्थिक सलाहकारों का कहना है कि इस नए नियम से निवेशकों को वित्तीय योजनाओं में अधिक सावधानी बरतने में मदद मिलेगी। यह भी निवेशकों को आत्मविश्वास देगा की उनके निवेशों पर पूरी निगरानी हो रही है। इस नए नियम के लागू होने से बाजार में भी एक नया जोश आया है, क्योंकि लोग अब अपने निवेशों पर अधिक नियंत्रण बनाए रख सकेंगे। यह नियम आम लोगों के वित्तीय सुरक्षा को भी मजबूत करेगा और उन्हें बेहतर वित्तीय योजनाओं में निवेश करने का साहस देगा। इस तरह सेबी द्वारा नए नियमों की घोषणा से म्यूचुअल फंड निवेशकों को एक बड़ी सुविधा प्रदान की गई है और वित्तीय योजनाओं में निवेश करने के लिए उन्हें अधिक आत्मविश्वास मिलेगा।

## सेबी ने एसएमई कंपनियों के आईपीओ के नियमों में किया बड़ा सुधार

**- यूपीएसआई की परिभाषा को और व्यापक और सख्त बनाया जाएगा**

**मुंबई ।**

भारतीय शेयर बाजार के नियामक प्राधिकरण, सेबी छोटे और मझोले उद्यमों (एसएमई) के आईपीओ के नियमों में सुधार करने की योजना बना रहा है। इसके तहत अप्रकाशित प्राइस सेंसिटिव इंफॉर्मेशन (यूपीएसआई) की परिभाषा को और व्यापक और सख्त बनाया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक ये सुधार 18 दिसंबर को होने वाली सेबी की बोर्ड बैठक में चर्चा के लिए रखा गया है। सेबी ने यह फैसला लिया है कि एसएमई लिस्टिंग नियमों को सख्त करके शेयर बाजार में धांधली और गलत प्रैक्टिस को रोका जा सके। इसके साथ ही, एसएमई आईपीओ में निवेश की न्यूनतम सीमा बढ़ाकर 2 लाख रुपये से 4 लाख रुपये करने का भी मौका दिया जा सकता है। समाचार के अनुसार इन सुधारों का मकसद है एसएमई लिस्टिंग में पारदर्शिता को बढ़ाना और निवेशकों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करना। सेबी इन कदमों के जरिए इंसाइडर ट्रेडिंग ( पिट) नियमों को भी मजबूत करने का इरादा रखता है। इसे लेकर बहस चरम पर हो रही है, जब सेबी चेयरपर्सन को संबंधित विवादों में फंसे रहने का आरोप भी

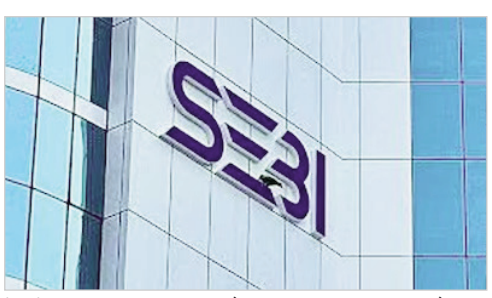


उठाया जा रहा है। इस सुधार से उम्मीद है कि शेयर बाजार में नए एसएमई कंपनियों के एक पारदर्शी और सकारात्मक मिलान की ऊर्जा बढ़ेगी।

## रूस की तेल कंपनी रिलायंस को 500,000 बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल देगी!

**10 वर्षीय समझौता वैश्विक आपूर्ति का 0.5 प्रतिशत है**

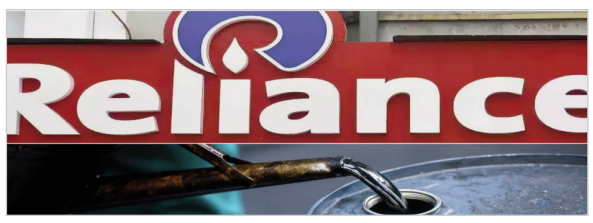


**मुंबई ।**

रूस की सरकारी तेल कंपनी रोसनेफ्ट ने भारतीय निजी रिफाइनर रिलायंस को लगभग 500,000 बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) कच्चे तेल की आपूर्ति करने पर सहमत हुई है, जो दोनों देशों के बीच अब तक का सबसे बड़ा ऊर्जा सौदा है।

10 वर्षीय समझौता वैश्विक आपूर्ति का 0.5 प्रतिशत है और आज की कीमतों पर लगभग 13 बिलियन डॉलर प्रति वर्ष है याने 11 हजार 322 करोड़ रुपये से ज्यादा का होगा।

इस सौदे से जुड़े तीनों सूत्रों ने बताया कि इस सौदे के तहत, रोसनेफ्ट हर महीने विभिन्न रूसी कच्चे तेल के 20-21 अफ्रामैक्स आकार के कार्गो (80,000 से 100,000 मीट्रिक टन) और ईंधन तेल के लगभग 100,000 टन के तीन कार्गो की आपूर्ति करेगा। ये शिपमेंट पश्चिमी राज्य गुजरात के जामनगर में रिलायंस के रिफाइनिंग कॉम्प्लेक्स, जो दुनिया का सबसे बड़ा है, के लिए आपूर्ति की जाएगी। 2024 में रिलायंस ने रोसनेफ्ट के साथ हर महीने 3 मिलियन बैरल कच्चे तेल की खरीद का सौदा किया था। रोसनेफ्ट नियमित आधार पर बिचौलियों के माध्यम से रिलायंस को कच्चा तेल भी बेच रहा है। एक सूत्र ने बताया कि नए सौदे में रूसी बंदरगाहों से रोसनेफ्ट के समुद्री तेल निर्यात का लगभग आधा हिस्सा शामिल है, जिससे अन्य व्यापारियों और बिचौलियों के लिए बहुत अधिक आपूर्ति उपलब्ध नहीं होती है। सूत्रों के अनुसार जनवरी से अक्टूबर तक रिलायंस ने औसतन 405,000 बैरल प्रतिदिन रूसी तेल का आयात किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 388,500 बैरल प्रतिदिन से अधिक है।

## टोयोटा वेलफायर का घटा वेटिंग पीरियड

**नई दिल्ली।**

टोयोटा वेलफायर कार के लिए वेटिंग पीरियड घटकर अब 6 महीने रह गया है।पहले ग्राहकों को इसके लिए 12 महीने तक इंतजार करना पड़ता था। नवंबर 2024 में इस कार की केवल 86 यूनिट्स की बिक्री हुई, जो पिछले 6 महीनों में इसका सबसे खराब प्रदर्शन है। अक्टूबर में 115 यूनिट्स बिकी थीं, और नवंबर में इसकी बिक्री में 29 यूनिट्स की कमी देखी गई। पिछले छह महीनों के बिक्री आंकड़ों के मुताबिक, जून 2024 में 142 यूनिट्स, जुलाई 2024 में 113 यूनिट्स, अगस्त 2024 में 114 यूनिट्स, सितंबर 2024 में 87 यूनिट्स, अक्टूबर 2024 में 115 यूनिट्स, और नवंबर 2024 में 86 यूनिट्स बिकीं। इस दौरान कुल 657 यूनिट्स की बिक्री हुई। टोयोटा वेलफायर का डिजाइन बेहद मॉडर्न है और इसमें शानदार डैशबोर्ड, एंबिएंट लाइटिंग और 14 इंच का बड़ा टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम जैसी सुविधाएं मिलती हैं। इसके अलावा, इसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वेंटिलेटेड और हीटेड सीट्स, इलेक्ट्रिकली एडजस्ट होने वाला स्टीयरिंग व्हील, रूफ-माउंटेड एंटरटेनमेंट सिस्टम और स्प्लिट ग्लास रूफ जैसी सुविधाएं भी हैं।

सुरक्षा के लिहाज से भी वेलफायर बेहतरीन है, इसमें 360-डिग्री कैमरा और एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम जैसी सुविधाएं मिलती हैं। इस कार में 2.5 लीटर का 4-सिलेंडर पेट्रोल इंजन है, जो स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड सिस्टम से लैस है और 193 पीएस की पावर और 240 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसके ई-सीवीटी गियरबॉक्स की वजह से ड्राइविंग अनुभव और भी स्मूथ और आरामदायक बन जाता है। बता दें कि इस कार की एक्स-शोरूम कीमत 1.20 करोड़ रुपये है और इसके बावजूद खरीददारों में कमी नहीं आई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# गाबा में तीसरे टेस्ट को लेकर आस्ट्रेलिया टेंशन में, भारत दे चुका है करारी शिकस्त

## –रोहित ब्रिगेड के हौसला बुदंल, कंगारु भी उस हार को चाहेगा भुलाना

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत-आस्ट्रेलिया का तीसरा टेस्ट गाबा में होने वाला है जिसको लेकर आस्ट्रेलिया ने टीम का ऐलान भी कर दिया है। गाबा वह मैदान है जहां आस्ट्रेलिया को हराना मुश्किल होता है लेकिन 2021 में गाबा में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराया था। यह बात रोहित ब्रिगेड का हौसला बुदंल कर रही है। ऑस्ट्रेलिया भी उस हार को भुलाना चाहेगा।

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिचेल मार्श ने कहा कि यह वक्त उस हार के बारे में सोचने का नहीं है। इसकी बजाय टीम को एडिलेड की तरह वापसी करने की अपनी क्षमता पर ध्यान देना होगा। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 2021 में गाबा टेस्ट मैच में ऋषभ पंत और शुभमन गिल की शानदार पारियों के दम पर हार का मजा चखाया था। यह ऑस्ट्रेलिया की इस मैदान पर 1988 के बाद पहली हार थी।

अब दोनों टीमें 14 दिसंबर से फिर आमने-सामने आने वाली हैं। यह पांच मैचों की सीरीज का तीसरा टेस्ट है। दोनों टीमें अभी 1-1 मैच जीत कर बराबर हैं। ऐसे में तीसरा टेस्ट बहुत अहम माना जा रहा है। मिचेल मार्श ने तीसरे टेस्ट मैच से पहले प्रैक्टिस सेशन में कहा कि पहले क्या हुआ अभी हमारे पास उसके बारे में सोचने का समय नहीं है। अभी हम केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो वर्तमान में अहम हैं।

पर्थ में पहले टेस्ट मैच में हार के बाद हमने जिस तरह से वापसी की यह उसका एक उदाहरण है। इसलिए हम अपनी शैली की क्रिकेट खेलने पर ध्यान दे रहे हैं। मार्श ने अपनी फिटनेस के बारे में कहा कि मेरी पीठ में दर्द था लेकिन अब मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। मार्श ने पहले दो टेस्ट मैच में बहुत अधिक गेंदबाजी नहीं की लेकिन उन्होंने कहा कि यह टीम की रणनीति का हिस्सा है।

मिचेल मार्श ने तेज गेंदबाज जोस हेजलवुड की फिटनेस की स्थिति का स्पष्ट ब्यौरा नहीं दिया जो मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेले थे। उन्होंने गुरुवार को अभ्यास सत्र में गेंदबाजी भी नहीं की। उन्होंने कहा कि अब तक जोस का सवाल है तो वह ऐसा खिलाड़ी है जो परेशान नहीं होता और मैच में खेलने के लिए जो कुछ संभव है वह करेगा।

### टीम

**भारत:** यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रोहित शर्मा (कप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा/रविचंद्रन अश्विन/वॉशिंगटन सुंदर , आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज.

**ऑस्ट्रेलिया :** उस्मान ख्वाजा, नाथन मैकस्वीनी, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, मिचेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर) पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, नाथन लायन, जोश हेजलवुड

## पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर ने रोहित की फिटनेस पर सवाल उठाये

**जोहांसबर्ग (एजेंसी)।** दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर डेरिल कलिनन ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा की फिटनेस पर सवाल उठाये हैं। कलिनन ने कहा है कि रोहत का वजन जरुरत से कहीं ज्यादा है जो उन्हें कम करना होगा। रोहित हाल में धरेलू धरती पर न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली करारी हार के बाद से ही आलोचकों के निशाने पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड टेस्ट में मिली हार के बाद से ही उनपर दबावा भी बढ़ गया है। रोहित पिछले काफी समय से रन भी नहीं बना पा रहे। वह एडिलेड की दोनों पारियों में असफल रे। रोहित इस मैच में छठे नंबर पर उतरे लेकिन फिर भी रन नहीं बना पाये।

कलिनन ने रोहित फिटनेस स्तर की आलोचना की और उन्हें बड़ी टेस्ट सीरीज के लिए अयोग्य बताया है। कलिन ने कहा कि, रोहित को देखिए, फिर विराट को। दोनो में ही साफ अंतर दिखेगा। रोहित का वजन ज्यादा है और वह लंबे समय तक नहीं खेल पायेंगे। रोहित चार या पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलने के लिए अच्छी शारीरिक स्थिति में नहीं हैं। रोहित ने साल 2024 की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद से केवल एक टेस्ट में अर्धशतक लगाया है। वह पिछली 12 पारियों में से 8 में दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये हैं।

## ट्रेविड हेड महान बल्लेबाज बनने की राह पर, रिकी पोंटिंग ने इस दिग्गज से की तुलना

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रैविस हेड आधुनिक समय के महान बल्लेबाजों में से एक बनने की राह पर हैं। एडिलेड ओवल में खेले गए डे-नाइट टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 10 विकेट से हराकर मेजबान टीम को पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर करने में मदद की जिसके लिए हेड को 141 गेंदों पर 140 रनों की शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

हेड पिछले 18 महीनों में भारत के लिए मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं, उन्होंने 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में शानदार 163 रन बनाए और उसी साल के अंत में वनडे विश्व कप के फाइनल में मैच जीतने वाली 137 रन की पारी खेली। पोंटिंग ने कहा, 'वह उन (महान) खिलाड़ियों में से एक बनने की राह पर हैं। मुझे नहीं लगता कि आप उन्हें अभी महान कह सकते हैं। वह जो कर रहे हैं, उस पर कोई सवाल नहीं है क्योंकि वह जो कर रहे हैं, वह शानदार है। और कई बार ऐसा तब होता है जब उनकी टीम को उनकी सबसे ज़्यादा जरूरत होती है। विश्व कप सेमीफाइनल, विश्व कप फाइनल, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप, ऑस्ट्रेलिया में कुछ साल पहले हुई एशेज के बारे में सोचिए। बड़े पल तब होते हैं जब ट्रैविस ने खड़े होने का तरीका ढूंढ़ लिया है।'

## बुमराह की गेंदबाजी में कई दिग्गज तेज गेंदबाजों का मिश्रण: चैपल

**सिडनी (एजेंसी)।** भारत के पूर्व कोच ग्रेग चैपल का मानना है कि जसप्रीत बुमराह में डेनिस लिली, एंडी रॉबर्ट्स और रिचर्ड हैडली जैसे तेज गेंदबाज के गुण मौजूद हैं लेकिन वह अपनी खुद की ऐसी विरासत तैयार कर रहे हैं जो तेज गेंदबाजों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि बुमराह 'बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी' और ऑस्ट्रेलिया के बीच खड़े एकमात्र खिलाड़ी हैं।

चैपल ने लिखा, 'बुमराह का कौशल का संयोजन उन्हें अलग कतार में खड़ा करता है। उनके पास (मैल्कम) मार्शल की परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाने की क्षमता, लिली की आक्रामकता, रिचर्ड हैडली का नियंत्रण, रॉबर्ट्स की रणनीति, वसीम (अकरम) और वकार (यूनिस) की रिवर्स स्विंग, (ग्लेन) मैक्ग्रा की सटीकता, (डेल) स्टेन की विस्फोटकता , और (कैगिसो) रबाडा की आधुनिक बहुमुखी प्रतिभा का मिश्रण है।'

उन्होंने कहा, 'जैसा की नासिर हुसैन ने कहा, 'वह एक पूर्ण गेंदबाज है'। उसकी पीठ की सर्जरी हुई है और यह पता नहीं है कि उसका करियर कितना लंबा चलेगा लेकिन अगर उसने इसी तरह से गेंदबाजी जारी रखी तो उसका नाम भी इन चैम्पियन गेंदबाजों की तरह लिया जाएगा।'

बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच मैचों की

श्रृंखला के शुरुआती टेस्ट में मौजूदा दौर के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज की अपनी साख को मजबूत करते हुए भारत को 295 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इस मैच में टीम की कप्तानी भी की थी। उन्होंने कहा, 'गुजरे जमाने के दिग्गजों ने नींव स्थापित की तो वहीं बुमराह अपनी खुद की विरासत बना रहा है। एक ऐसी विरासत जो तेज गेंदबाजों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने का माद्दा रखती है।'

ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि बुमराह की घातक यॉर्कर और अस्थिर उछाल ने मैदान पर लिली की आक्रामकता की यादें ताजा कर दीं। उन्होंने कहा, 'लिली किसी योद्धा की तरह थे। उनके पास आक्रमकता और मनोवैज्ञानिक बढ़त बनाने का शानदार संयोजन था। मैंने घरेलू क्रिकेट में कई बार उनका सामना किया और अपने युग के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों के खिलाफ उन्हें करीब से परखा है।'

चैपल ने कहा, 'लिली के पास लंबे समय तक बल्लेबाज को परेशान करने वाली एक लाइन-लेंथ में गेंदबाजी करने की क्षमता थी। बुमराह इस मामले में थोड़े पीछे है लेकिन अलग तरह की गेंदबाजी एक्शन से वह कारगर यॉर्कर और और बाउंसर से बल्लेबाज को परेशान कर लिली की बराबरी करते हैं।' उन्होंने कहा, 'बुमराह रॉबर्ट्स के दिमागी चपलता को साझा करते हैं। दोनों गेंदबाज बल्लेबाजों को चकमा देने के लिए विविधताओं का उपयोग करते हैं। रॉबर्ट्स की तरह बुमराह भी ताकत के बजाय रणनीति पर भरोसा करते हैं।'

उन्होंने कहा, 'बुमराह ने सिर्फ 30 टेस्ट में 21.03 की औसत से 151 विकेट लिए है। विभिन्न परिस्थितियों में उत्कृष्टता हासिल करने की उनकी क्षमता मार्शल के प्रभुत्व की याद दिलाती है। बुमराह के पास पुरानी गेंद से रिवर्स स्विंग के साथ गेंद को सिम और स्विंग करने की कमाल की क्षमता है। मार्शल के विरुद्ध बल्लेबाजों को इसी तरह की अनिश्चितता का सामना करना पड़ता था।' चैपल ने कहा, 'जैसा कि इयान बॉथम ने मार्शल के बारे में प्रसिद्ध टिप्पणी की थी कि वह आपको कोई राहत नहीं देते है। आज बल्लेबाज भी बुमराह के बारे में ऐसी ही भावनाएं व्यक्त करते हैं।'

## पीसीबी से नाराज गिलेस्पी कोच पद छोड़ेंगे

लाहौर ।पाकिस्तान की टेस्ट टीम के कोच जैसन गिलेस्पी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पीसीबी से नाराज चल रहे हैं और माना जा रहा है कि वह शीघ्र ही अपना पद छोड़ देंगे। पीसीबी ने जिस प्रकार पिछले कुछ महीनों में उनकी भूमिका और अधिकारों को सीमित किया है उससे वह उपेक्षित अनुभव कर रहे हैं। अक्टूबर में उन्हें टेस्ट टीम के चयन पैनल से हटा दिया गया। उन्हें कहा गया कि अब वे केवल मैच के लिए रणनीतिकार हैं। कोच गैरी कर्स्टन के जाने के बाद गिलेस्पी ने अंतरिम आधार पर टीम को कोचिंग दी थी। वहीं गिलेस्पी के कहने पर टिम नीलसन की इस साल अगस्त में हाई-परफॉर्मेंस रेड-बॉल कोच बनाया गया था। उनके अनुबंध को पाकिस्तान के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद रिन्यू करना था पर ऐसा नहीं किया गया है। नीलसन के अनुसार टीम अच्छी तहर से आगे बढ़ रही थी और वह दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज क तैयारी कर रहे थे पर पीसीबी ने उन्हें बताया कि उनकी सेवाओं की अब आवश्यकता नहीं है। गिलेस्पी को लगता है कि नीलसन ने खिलाड़ियों के साथ बहुत अच्छा तालमेल बनाया है। ये बात उन्होंने सार्वजनिक रूप से कई बार कही है। यही शायद उनके गुस्सा होने की वजह भी है।

## मोहम्मद नबी 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले पहले अफगान क्रिकेटर बने

स्पोर्ट्स डेस्क ।अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर मोहम्मद नबी 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले पहले अफगान खिलाड़ी बन गए हैं। अफगानिस्तान के क्रिकेट सफर के आधार रहे 39 वर्षीय नबी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ

टी20 सीरीज के पहले मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। नबी ने इस अवसर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 27 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 44 रन बनाए। अपनी उपलब्धि पर विचार करते हुए नबी ने अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) द्वारा जारी एक वीडियो में कहा, 'मुझे खुशी है कि मैंने अपने देश के लिए 300 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। मुझे इस पर गर्व है।' ' इसी पारी के दौरान नबी ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 150 चौके पूरे करके एक और उपलब्धि हासिल की जिससे अफगानिस्तान के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक के रूप में उनकी स्थिति और मजबूत हो गई। नबी का अंतरराष्ट्रीय करियर अप्रैल 2009 में शुरू हुआ जब उन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ वनडे में डेब्यू किया। तब से उन्होंने 167 वनडे मैचों में हिस्सा लिया है, जिसमें उन्होंने 27.48 की औसत से 3,600 रन बनाए हैं और 32.47 की औसत से 172 विकेट लिए हैं। उनका टी20 करियर फरवरी 2010 में आयरलैंड के खिलाफ शुरू हुआ था। 130 से ज्यादा मैचों में नबी ने 22.54 की औसत से 2,209 रन बनाए हैं और 7.33 की इकॉनमी से 97 विकेट लिए हैं। टेस्ट क्रिकेट में नबी ने तीन मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 33 रन बनाए हैं और आठ विकेट लिए हैं।

## गाबा टेस्ट को लेकर शास्त्री की रोहित को सलाह.... ओपनिंग करे, ताकि टीम को शुरुवात से मजबूती मिले

**ब्रिस्बेन (एजेंसी)।** भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही टेस्ट सीरीज में निर्णायक मोड़ आ चुका है। इस पर पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने कप्तान रोहित शर्मा को ओपनिंग की सलाह दी है। एडिलेड में दूसरे टेस्ट में भारत को 10 विकेट से मिली हार के बाद सीरीज 1-1 से बराबर है, और गाबा में शनिवार से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में विजेता टीम के लिए सीरीज जीतने की संभावना प्रबल हो सकती है।

दरअसल शास्त्री ने कहा कि रोहित ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बतौर सलामी बल्लेबाज किया है। उन्होंने तेज गेंदबाजों के खिलाफ अपनी तकनीक और क्षमता का बार-बार प्रदर्शन किया है। शास्त्री ने कहा, अगर रोहित को ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बनाना है, तब उन्हें पारी का आगाज करना चाहिए। रोहित ने अपनी पिछली 10 पारियों में केवल एक अर्धशतक लगाया है, और मध्यक्रम में उनके प्रदर्शन ने टीम को नुकसान पहुंचाया है। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भी शास्त्री की राय का समर्थन कर कहा कि ओपनिंग रोहित के लिए सबसे उपयुक्त पोजीशन है।

यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की मौजूदा सलामी जोड़ी के प्रदर्शन ने प्रभावित किया है। इसके बावजूद शास्त्री का मानना है कि रोहित को ओपनिंग करना चाहिए। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है। टीम को मौजूदा जोड़ी के प्रदर्शन और रणनीतिक फैसलों के बीच संतुलन साधना होगा।

शास्त्री ने टेस्ट को सीरीज का निर्णायक मुकाबला बताया। उन्होंने कहा, जो भी टीम मैच को जीतेगी, वह सीरीज जीत सकती है। ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में जीत के बाद आत्मविश्वास पा लिया है। इसके बाद अब भारत को सही संतुलन और रणनीति के साथ उतरना होगा। रोहित की ओपनिंग के फैसले से भारत को एक मजबूत शुरुआत मिलेगी, जिससे बाकी बल्लेबाज दबाव मुक्त होकर खेल सकें। वहीं, गेंदबाजी आक्रमण

और स्पिन विभाग में सही चयन भी टीम की सफलता के लिए अहम होगा।

## संन्यास के बाद भी करोड़ों की कमाई कर रहे युवराज

चंडीगढ़ ।भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह को संन्यास लिए काफी समय हो गया है। इसके बाद भी युवराज विज्ञापनों से जमकर कमाई कर रहे है। वह विज्ञापनों से ही हर माह करीब एक करोड़ की कमाई कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार युवराज की नेट वर्थ करीब 291 करोड़ रुपये है। 2011 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले युवराज ने साल 2019 में क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इसके बाद भी आज वह कई बड़े ब्रांड से जुड़े है। युवराज ने कई स्टार्टअप्स शुरू किए हैं जिससे भी उन्हें अच्छी खासी कमाई हो रही है। संपत्ति करीब 50 करोड़ से ज्यादा है. युवराज सिंह के पास मुंबई में करोड़ों रुपये की कीमत वाले दो आलीशान अपार्टमेंट हैं। उन्होंने साल 2013 में वर्ली में लग्जरी आवासीय टॉवर में दो अपार्टमेंट खरीदने के लिए 64 करोड़ खर्च किए थे। उनके पास गोवा में भी एक घर है जबकि चंडीगढ़ में के हवेली है। युवराज सिंह के पास कई लक्जरी कारें हैं। उनके पास बेंटले कॉन्टिनेंटल जीटी, लॉम्बिरिगनी मरसिएलागोए बीएमडब्ल्यू एम5 ई60, बीएमडब्ल्यू एक्सएम 6रूऔर ऑडी क्यू 5 गाड़ियां है। युवराज के करियर की बात करें तो 40 टेस्ट में 1900 रन बनाए जबकि 304 वनडे में उन्होंने 8701 रन बनाए। वहीं 58 टी20 इंटरनेशनल मैचों में उनके नाम 1177 रन हैं। उन्होंने टेस्ट में 3 शतक और 11 अर्धशतक जबकि एकदिवसीय में 14 शतक और 52 अर्धशतक लगाये हैं। टी 20 में उन्होंने 1177 रन बनाए हैं। इसके साथ हीन्होंने गेंदबाजी करते हुए टेस्ट में 9 एकदिवसीय में 111 और टी20 में 28 विकेट लिए हैं। 2007 टी20 विश्वकप में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ मैच में लगातार छह छक्के लगाये थे। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण वह दर्शकों के पसंदीदा बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं।

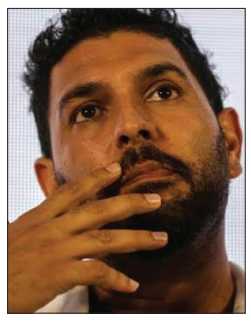

## सबसे युवा विश्व चैम्पियन बनना बहुत बड़ी बात : शुभमन गिल ने गुकेश की तारीफ की

ब्रिसबेन । सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट टीम की ओर से डी गुकेश को बधाई दी जो सबसे युवा शतरंज विश्व चैम्पियन बने हैं। गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को सिंगापुर में हुए मुकाबले में 7.5 .6.5 से हराकर खिताब जीता। गिल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट से पूर्व मीडिया से कहा, 'मैं डी गुकेश को पूरी भारतीय टीम की ओर से बधाई देना चाहता हूं। सबसे युवा विश्व शतरंज चैम्पियन बनना ही अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है।' गुकेश से पहले रूस के गैरी कास्पारोव सबसे युवा विश्व चैम्पियन थे जिन्होंने 1985 में 22 वर्ष की उम्र में अनातोली कारपोव को हराकर खिताब जीता था। वह विश्वनाथन आनंद के बाद खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं।

## ऋषभ पंत के लिए पागल थे पार्थ, गोयनका ने बताया 27 करोड़ की बोली लगाने की वजह

नई दिल्ली। आईपीएल नीलामी 2025 में सिर्फ 20 मिनट में श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। 2015 में कोई भी भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह के 16 करोड़ से ज्यादा में नहीं बिका था, लेकिन जेद्दा-सऊदी अरब में मेगा नीलामी के कुछ ही मिनटों में श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत पहली बार 25 करोड़ का आंकड़ा पार कर गए। अय्यर पहले इंसान थे जिन्हें 26 करोड़ की भारी कीमत पर पंजाब किंग्स ने खरीदा था। उन्होंने पिछले साल केकेआर द्वारा 24.75 करोड़ में खरीदे गए मिशेल स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा। श्रेयस के नाम यह रिकॉर्ड केवल 11 मिनट रहा क्योंकि लखनऊ सुपर जाइंट्स ने ऋषभ पंत को बोर्ड पर लाने के लिए 27 करोड़ खर्च कर दिए। रिकॉर्ड-तोड़ आईपीएल नीलामी के तीन सप्ताह बाद अब एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका ने पंत पर बोली लगाने के पीछे की बात उजागर की है। गोयनका ने कहा कि वह जानते थे कि डीसी के सह-मालिक पार्थ जिंदल पंत के लिए पागल थे और उन्हें वापस लाने के लिए कुछ भी करने को तैयार थे, इसलिए उन्हें इतनी राशि लगानी पड़ी कि डीसी उनके राइट टू मैच विकल्प का उपयोग करने के बावजूद मैच नहीं कर सके। गोयनका ने बताया कि पंत के लिए 27 करोड़ की बोली लगाने के पीछे विज्ञान था। दिल्ली ने श्रेयस अय्यर के लिए 26.5 करोड़ की बोली लगाई। मुझे लगा था कि पार्थ जिंदल ऋषभ पंत के लिए इतने पागल हैं कि वह आईपीएल नीलामी में एक पायदान ऊपर जाएंगे। मैंने विचार किया जहां पर वह रुकेगा हम वहां से ऊपर जाएंगे। गोयनका ने कहा कि पंत को अपनी टीम के साथ जोड़ने का मुख्य मकसद एक भारतीय एंकर को अपने साथ जोड़ना था। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लिए जो भी परिस्थितियां रहीं, उन्होंने उसे रिटेन नहीं किया वह ऋषभ को रिटेन करने के इच्छुक नहीं थे। मेरे लिए उस पर चर्चा करना या उस पर टिप्पणी करना सही नहीं है।

## वेस्टइंडीज ने बंगलादेश को चार विकेट से हराकर सीरीज में किया क्लीन स्वीप

**बासटेयर (एजेंसी)** । आमिर जंगू (नाबाद 104), केसी कार्टी (95) तथा गुडाकेश मोती (नाबाद 44 और एक विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत वेस्टइंडीज ने तीसरे एक दिवसीय मुकाबले में बांग्लादेश को चार विकेट से हराया। इसी के साथ वेस्टइंडीज ने तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में बांग्लादेश का सूपड़ा साफ कर दिया। 104 रनों की बेहतरीन पारी खेलने वाले आमिर जंगू 'प्लेयर ऑफ दि मैच' से और शरफेन रदरफोर्ड को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' से नवाजा गया। बांग्लादेश के 321 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 36 रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये।

ब्रैंडन किंग (15), ऐलेक ऐथनेज (सात)और कप्तान शे होप (तीन) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद 15वें ओवर में वेस्टइंडीज ने शरफेन रदरफोर्ड (15) के रूप में अपना चौथा विकेट 86 के स्कोर पर गवां दिए। ऐसे संकट के समय केसी कार्टी के साथ आमिर जंगू ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट लिये 132 रनों की साझेदारी हुई। इस साझेदारी ने वेस्टइंडीज के जीत की नींव रखी। 34वें ओवर में रिशाद हुसैन ने केसी कार्टी को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। केसी कार्टी ने 88 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हए (95) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए रॉस्टन चेज (12) को भी रिशाद हुसैन ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट कर पवेलियन भेज दिया। बल्लेबाजी करने आये गुडाकेश मोती ने आमिर जंगू का बखूबी साथ निभाया। दोनों बल्लेबाजों ने सातवें विकेट के लिए मैच विजयी साझेदारी की। आमिर जंगू ने 83 गेंदों में छह चौके और चार छक्के लगाते हुये (नाबाद 104) रनों की पारी खेली। वहीं गुडाकेश मोटी ने 31 गेंदों में तीन चौक और तीन छक्के लगाते हुए (नाबाद 44) रन बनाये। इन दोनों बल्लेबाजों ने 45.5 ओवर में छह विकेट पर 325 रन बनाकर कर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। बंगलादेश की ओर से रिशाद हुसैन ने दो विकेट लिये। तसकीन अहमद, नासुम अहमद और हसन महमूद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र नौ रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिऐ। तंजिद हसन और लिटन कुमार दास बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए। इन दोनों बल्लेबाजों को अल्जारी जोसेफ ने आउट किया। इसके बाद सौम्य सरकार और कप्तान मेहदी हसन मिराज ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट लिए 136 रनों की साझेदारी हुई। 24वें ओवर में गुडाकेश मोटी ने सौम्य सरकार (73) को पगबाधा कर इस साझेदारी को तोड़ा। 30वें ओवर में शरफेन रदरफोर्ड ने मेहदी हसन मिराज (77) को

रनआउट कर बंगलादेश को चौथा झटका दिया। अफिफ हुसैन धुबो (15) को शरफेन रदरफोर्ड ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये महमुदउल्लाह और जाकेर अली की जोड़ी ने पारी को संभालते हुए तेजी के साथ रन बटोरे। महमुदउल्लाह ने 63 गेंदों में सात चौके और चार छक्के लगाते हुए (नाबाद 84) रनों की पारी खेली। वहीं जाकेर अली ने 57 गेंदों में पांच चौके और दो छक्को की मदद से (नाबाद 62) रन बनाये। बंगलादेश की टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में पांच विकेट पर 321रनों का स्कोर खड़ा किया। वेस्टइंडीज की ओर से अल्जारी जोसेफ ने दो विकेट लिये। शरफेन रदरफोर्ड और गुडाकेश मोटी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# तुलसी की खेती

कर्पूर तुलसी
काली तुलसी
वन तुलसी या राम तुलसी
जंगली तुलसी
होली बेसिल

## श्री तुलसी या श्यामा तुलसी

तुलसी अत्यधिक औषधीय उपयोग का पौधा है। जिसकी महत्ता पुरानी चिकित्सा पद्धति एवं आधुनिक चिकित्सा पद्धति दोनों में है। वर्त्तमान में इससे अनेकों खाँसी की दवाएँ साबुन, हेयर शैम्पू आदि बनाए जाते लगे हैं। जिससे तुलसी के उत्पाद की मांग काफी बढ़ गई है। अत= मांग की पूर्ति बिना खेती के संभव नहीं हैं।

## मृदा व जलवायु

इसकी खेती, कम उपजाऊ जमीन जिसमें पानी की निकासी का उचित प्रबंध हो, अच्छी होती है बलूई दोमट जमीन इसके लिए बहुत उपयुक्त होती हैं। इसके लिए उष्ण कटिबंध एवं कटिबंधीय दोनों तरह जलवायु होती है।

## भूमि की तैयारी

जमीन की तैयारी ठीक तरह से कर लेनी चाहिए। जमीन जों के दूसरे सप्ताह तक तैयार हो जानी चाहिए।

## बुवाई / रोपाई

इसकी खेती बीज द्वारा होती है लेकिन खेती में बीज की बुवाई सीधे नहीं करनी चाहिए। पहले इसकी नर्सरी तैयार करनी चाहिए। बाद में उसकी रोपाई करनी चाहिए।

## पौध तैयार करना

जमीन की 15 - 20 सेमी. गहरी खुदाई कर के खरपतवार आदि निकाल तैयार करा लेना चाहिए। 15 टन प्रति हे. की दर से गोबर की सड़ी खाद अच्छी तरह से मिला देना चाहिए। 1 मी. ङ्ग 1 मी. आकार की जमीन सतह से उभरी हुई क्यारियां बना कर उचित मात्र में कंपोस्ट एवं उर्वरक मिला दिन चाहिए। 750 ग्रा. - 1 किग्रा. बीज एक हेक्टयेर के लिए पर्याप्त होता है। बीज की बुवाई 1=10 के अनुपात में रेत या बालू मिला कर 8-10 सेमी. की दूरी पर पक्तियां में करनी चाहिए। बीज की गहराई अधिक नहीं होनी चाहिए। जमाव के 15-20 दिन बाद 20 कि./ हे. की दर से नेत्रजन डालना उपयोगी होता है। पांच- छह सप्ताह में पौध रोपाई हेतु तैयार हो जाती है।

## रोपाई

सूखे मौसम में रोपाई हमेशा दोपहर के बाद करनी चाहिए। रोपाई के बाद खेत को सिंचाई तुरंत कर देनी चाहिए। बादल या हल्की वर्षा वाले दिन इसकी रोपाई के लिए बहुत उपयुक्त होते हैं। इसकी रोपाई लाइन में लाइन 60 से. मी. तथा पौधे से पौधे 30 से. मी. की दूरी पर करनी चाहिए।

## खरपतवार नियंत्रण

इसकी पहली निराई गुड़ाई रोपाई के एक माह बाद करनी चाहिए। दूसरी निराई - गुड़ाई पहली निराई के 3-4 सप्ताह बाद करनी चाहिए। बड़े क्षेत्रों में गुड़ाई ट्रैक्टर से की जा सकती है।

## उर्वरक

इसके लिए 15 टन प्रति हेक्टेयर गोबर की खाद जमीन में डालना चाहिए। इसके अलावा 75-80 किग्रा. नेत्रजन 40-40 किग्रा. फास्फोरस व पोटाश की आवश्यता होती है। रोपाई के पहले एक तिहाई नेत्रजन तथा फस्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा खेत में डालकर जमीन में मिला देने चाहिए। शेष नेत्रजन की मात्रा दो बार में खड़ी फसल में डालना चाहिए।

## कटाई

जब पौधे में पूरी तरह से फूल आ जाए तथा नीचे के पत्ते पीले पड़ने लगे तो इसकी कटाई कर लेनी चाहिए। रोपाई के 10-12 सप्ताह के बाद यह कटाई के लिए तैयार हो जाती है।

## आसवन

तुलसी का तेल पूरे पौधे के आसवन से प्राप्त होता है। इसका आसवन, जल तथा वाष्प, आसवन, दोनों विधि से किया जा सकता है। लेकिन वाष्प आसवन सबसे ज्यादा उपयुक्त होता है। कटाई के बाद तुलसी के पौधे को 4-5 घंटे छोड़ देना चाहिए। इससे आसवन में सुविधा होती है।

## आय - व्यय विवरण

प्रति हेक्टेयर व्यय - रू. 10,500
तेल का पैदावार - 85 किलो प्रति हेक्टेयर
टेल की कीमत - 450 - रूपया प्रति किलो - 8/5 ङ्ग 450 = 38,250
**शुद्ध लाभ :** रू. 38, 250 - 10,500 = 27,750

## पैदावार

इसके फसल की औसत पैदावार 20 - 25 टन प्रति हेक्टेयर तथा तेल का पैदावार 80-100 किग्रा. हेक्टेयर तक होता है।

## परिचय

तुलसी की ओसिमम प्रजाति को तेल उत्पादन के लिए उगाया जाता है। तुलसी की इस प्रजाति की भारत में बड़े पैमाने पर खेती होती है। उत्तर प्रदेश में बरेली, बादयूं, मुरादाबाद और सीतापुर जिलों में तथा बिहार के मुंगेर जिला में इसकी खेती की जाती है। इसका प्रयोग परफ्यूम व कास्मेटिक इंडस्ट्रीज में अधिक होता है। तूलसी की ओसीमस सेंक्टेम प्रजाति के सारभूत तेल की अधिक कीमत होती है, किन्तु तेल की मात्रा कम मिलती है।

## तुलसी की विभिन्न प्रजतियां

भारत में तुलसी का पौधा धार्मिक एवं औषधीय महत्व का है। इसे हिंदी में तुलसी, संस्कृत में सुलभा, ग्राम्या, बहूभंजरी एवं अंग्रेजी में होली बेसिल के नाम से जाना जाता है। लेमिएसी कूल के इस पौधे की विश्व में 150 से ज्यादा प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इसकी मूल प्रकृति एवं गुण एक समान हैं।

प्रमुख प्रजातियाँ निम्न प्रकार हैं

## बेसिल तुलसी या फ्रेंच बेसिल

डाउनलोड करें किसान समाधान एंड्राइड एप्प और जाने अन्य व्यापारिक फसलों की जानकारी

स्वीट फेंच बेसिल या बोबई तुलसी

# गुडमार औषधीय पौधे की खेती

## गुडमार की खेती

विश्व में पाये जाने वाले अनेकों बहुमूल्य औषधीय पौधों में गुडमार एक बहुउपयोगी औषधीय पौधा है। यह एस्कलपिडेसी कुल का सदस्य है। इसका वानस्पतिक नाम जिमनिमा सिलवेस्ट्री है। गुडमार के पत्ते तथा जड़ औषधीय रूप में उपयोग किये जाते हैं।

## वानस्पतिक विवरण

गुडमार बहुवर्षीय लता है। गुडमार की शाखाओं पर सूक्ष्म रोयें पाये जाते हैं। पत्ते अभिमुखी मृदूरोमेश अग्रभाग की तरफ नोकदार होते हैं। एस पर पीले रंग के गुच्छेनुमा फूल अगस्त - सितम्बर माह में खिलते हैं। गुडमार के फल लगभग 2 इंच लम्बे एवं कठोर होते हैं तथा बीज छोटे एवं काले - भूरे रंग के होते हैं।

## भौगोलिक वितरण

यह भारत वर्ष के विभिन्न भागों जैसे - मध्य भारत, पशिचमी घाट, कोकण, त्रवनकोर क्षेत्र के वनों में पाया जाता हैं। गुडमार मध्य प्रदेश के विभिन्न वन क्षेत्रों में प्राकृतिक रूप से काष्ठीय रोयेंदार लता के रूप में पाये जाने वाली वनस्पति हैं।

## औषधीय उपयोग

गुडमार की पत्तियों का उपयोग मुख्यत= मधुमेह - नियंत्रण औषधीयों के निर्माण में किया जाता है। इसके सेवन से रक्तगत शर्करा की मात्रा कम हो जाती है, साथ ही पेशाब में शर्करा का आना स्वत= बंद हो जाता है। सर्पविष में गुडमार की जड़ को पीसकर या काढ़ा पिलाने से लाभ होता है। पत्ती या छाल का रस पेट के कीड़े मारने में उपयोग करते हैं। गुडमार यकृत को उत्तेजित करता है और अप्रत्यक्ष रूप से अग्नाशय की इन्सुलिन स्राव करने वाली ग्रंथियों की सहायता करता है। जड़ों का उपयोग खांसी, हृदय रोग, पुराने ज्वार, वात रोग तथा सफ़ेद दाग के उपचार हेतु किया जाता है।

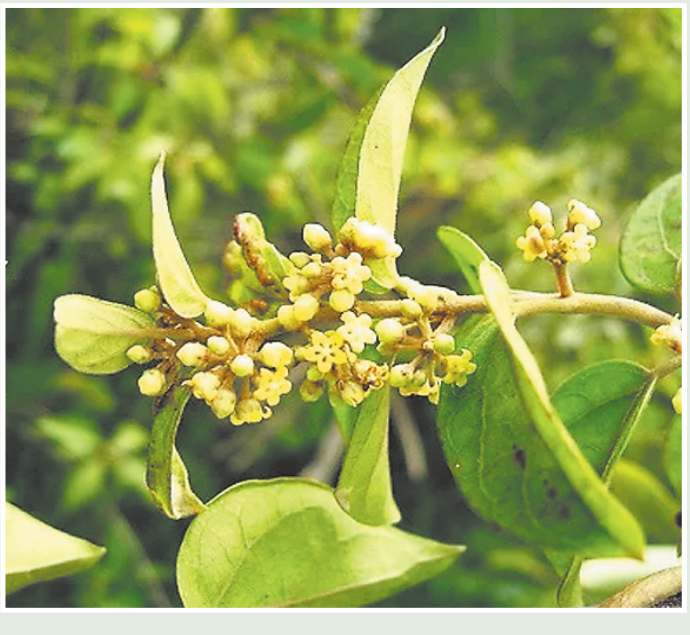

## रासायनिक संगठन

पत्तियों में जिम्नेमिक अम्ल, फ्वेरसियल, एन्थ्रान्वोनोन, जिम्नोसाइडस, सेपोनिन तथा कैल्सियम आक्जेलेट रसायन पाये जाते हैं।

## भूमि

गुडमार की खेती के लिए उचित जल निकास वाली दोमट मिटटी अच्छी होती है। गर्मियों में दो बार आड़ी - खड़ी जुताई कर एवं पाटा चलाकर खेत तैयार कर लेना चाहिए। पाटा चलाकर मिटटी को भुरभुरी व समतल कर लेना चाहिए।

## बीज

बीजों से खेती करने के लिए रोपनी में पौधा तैयार करना चाहिए। बीज बोने से पूर्व 3 ग्राम डायथेन एम 45 या बावेस्टीन नामक फफूंदनाशक से बीजों को उपचारित करना चाहिए। उपचारित बीजों को पहले से भरी पालीथीन की थैलियों में बो देना चाहिए। बीजों को बोने व रोपणी बनाने का सही समय अप्रैल - मई माह होता है। माह जुलाई - अगस्त तक पौधे खेत में रोपित करने योग हो जाते है।

## कलम द्वारा पौध बनाकर

गुडमार की खेती पुराने पौधों की कलम से पौध बनाकर भी की जा सकती है। इसके लिए जनवरी - फ़रवरी माह उत्तम होता है। पालीथीन बैग में पौध तैयार कर जुलाई - अगस्त माह में खेत में रोपित किया जा सकता है। गुडमार एक बहुवर्षीय लता है। यह लगभग 20 - 30 वर्षों तक उपज देती रहती है।

## रोपण

रोपण हेतु 1 म 1 मी. की दुरी पर तैयार किये गये गड्ढों में बारिश प्रारम्भ होने के पश्चात् जुलाई - अगस्त माह में रोपित कर दिए जाते हैं प्रति गड्ढा 5 किलोग्राम गोबर की पक्की खाद एवं 50 ग्राम नीम की खली डालनी चाहिए। गुडमार की खेती के लिए प्रति हेक्टेयर 10,000 पौधों की आवश्यकता होती है।

## आरोहन व्यवस्था

गुडमार एक लता है। आरोहन व्यवस्था के लिए बांस, लोहे के एंगल एवं तारों का उपयोग करना चाहिए।

## सिंचाई

गर्मी के समय 10 15 दिन तथा सर्दियों में 20 - 25 दिन के अंतराल में एक बार सिंचाई की जाय तो इसकी बढवार के लिए काफी अच्छा रहता है।

## फसल सुरक्षा

कभी - कभी अधिक बारिश के कारण पौधों में पीलेपन की समस्या आती है। इसके लिए बोनी के समय 10 कि.ग्रा. फ़र्स सल्फेट का प्रयोग प्रति हेक्टेयर की दर से किया जाना चाहिए।

## फसल कटाई

गुडमार की खेती मुख्य रूप से इसकी पत्तियों के लिए की जाती है। रोपण के प्रथम वर्ष से ही पत्ते प्राप्त होना प्रारम्भ हो जाते हैं। समय बढ़ने के साथ - साथ इसकी लताए बढती रहती हैं तथा फसल की उपज भी बढती जाती है। गुडमार की फसल एक बार लगाने के बाद लगभग 20 - 25 वर्षों तक फसल देती रहती है। सिंचित अवस्था में दो बार पत्तों की तुडाई की जा सकती है।

पहली सितम्बर - अक्तूबर में तथा दूसरी अप्रैल - मई में 7 गुडमार की परिपक्व एवं चयनित पत्तियों को तोड़कर उन्हें छायादार स्थान में सुखाना चाहिए। ग्रीष्म ऋतू में पौधों की परिपक फलियाँ एकत्र कर सुखाई जाती है। फलियों को एकत्र करते समय ध्यान रखना चाहिए की फलियाँ चटक न गई हो अन्यथा बीज उड़ जायेंगे, क्योंकि इनपर रुई लगी रहती है। एस प्रकार प्रति वर्ष पत्तियों को दो बार तुडाई करने पर तीसरे वर्ष से प्रत्येक पौधे से लगभग 5 कि.ग्रा. गीली पत्तियां अथवा एक किलोग्राम सुखी पत्तियां प्राप्त होती है। एक हेक्टेयर में लगभग 4 - 6 क्विंटल सुखी पत्तियां प्राप्त होती है।

## संग्रहण काल

माह दिसम्बर - जनवरी में गुडमार की पत्तियों को चुनकर एकत्र करना चाहिए एवं इनकी जड़ों को ग्रीष्म ऋतू में उखड़ना चाहिए।

## विनाश विहीन विदोहन प्रक्रिया

माह दिसम्बर - जनवरी में इसके पत्तों को हाथ से चुनकर एकत्र करना चाहिए। पत्तियां एकत्र करने के लिए पौधे को नहीं काटना चाहिए।

## कुल प्राप्तियां

गुडमार की खेती से किसान 25 से 30 हजार रु, प्रति हेक्टेयर आय अर्जित कर सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## 400 यात्री भूखे-प्यासे 24 घंटे इस्तांबुल एयरपोर्ट पर फंसे रहे

नई दिल्ली । नई दिल्ली से मुंबई और तुर्किये के बीच यात्रा करने वाले 400 यात्री भूखे-प्यासे 24 घंटे इस्तांबुल एयरपोर्ट पर फंसे रहे। उड़ान में देरी की वजह से यात्रियों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। वहीं एयरलाइन का कहना था कि परिचालन संबंधी दिक्कत की वजह से यात्रियों को दिक्कत हुई। परेशान यात्रियों ने सोशल मीडिया पर बताया कि बिना ठहरने की उचित व्यवस्था और खाना के वे ठंड में एयरपोर्ट पर ही इंतजार करते रहे। एक यात्री ने कहा, हमारी इस्तांबुल से दिल्ली के लिए फ्लाइट थी। करीब 500 यात्री एयरपोर्ट पर ही फंस गए। उड़ान का समय रात का 8 बजकर 10 मिनट था। लेकिन यह फ्लाइट अगले दिन दोपहर 1 बजकर 30 मिनट के लिए शेड्यूल कर दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक यात्री ने कहा कि दिल्ली के लिए फ्लाइट कैंसल कर दी गई। आने-जाने की सुविधा और ठहरने की सुविधा के बिना यात्रियों को सात डिग्री के तापमान में एयरपोर्ट पर ही ठिठुरना पड़ा। एक अन्य यात्री ने कहा कि इंडिगो की फ्लाइट डिजास्टस साबित हुई। यह फ्लाइट करीब 20 घंटे लेट हो गई। यात्रियों ने बताया कि पहले उड़ान को दो घंटे देरी से बताया गया। इसके बाद अचानक विमान को रद्द कर दिया गया। इसके बाद बताया गया कि अब उड़ान 12 घंटे बाद के लिए शेड्यूल कर दी गई है। इसके बाद सारे यात्री फंस गए। कुछ लोग बीमार भी थे। ना यात्रियों को भोजन दिया गया और ना ही रुकने की जगह। इंडिगो के किसी कर्मचारी ने यात्रियों से संपर्क भी नहीं किया।

## विजय दिवस समारोह में शामिल हो सकता है बांग्लादेश का प्रतिनिधिमंडल

कोलकाता । बांग्लादेश के एक प्रतिनिधिमंडल के 16 दिसंबर को कोलकाता में आयोजित होने वाले विजय दिवस समारोह में शामिल होने की संभावना है। रक्षा सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सोलह दिसंबर, 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारतीय सशस्त्र बलों की ऐतिहासिक जीत की याद में हर साल 'विजय दिवस' मनाया जाता है। पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी शासन का विरोध करने वाले गुरिल्ला प्रतिरोध बल का हिस्सा रहे 'मुक्ति योद्धा' और बांग्लादेश सशस्त्र बलों के सेवारत अधिकारियों का एक बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल हर साल कोलकाता में भारतीय सेना की पूर्वी कमान द्वारा आयोजित 'विजय दिवस' समारोह में शामिल होता है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि 16 दिसंबर के समारोह में बांग्लादेश का एक प्रतिनिधिमंडल भी शामिल हो सकता है, हालांकि उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों की संख्या के बारे में कोई विवरण नहीं दिया। सेना की पूर्वी कमान 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सशस्त्र बलों की ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में विजय दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित करेगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पूर्वी कमान मुख्यालय के मेजर जनरल-जनरल स्टॉफ (एमजीजीएस) मेजर जनरल मोहित सेठ ने हाल में कहा था कि 16 दिसंबर को फोर्ट विलियम में विजय स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। उन्होंने कहा था कि 1971 के युद्ध में भाग लेने वाले पूर्व सैनिक भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

## टॉफी के रैपर में छिपाकर रखा 17 लाख रुपये का सोना

नई दिल्ली । दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने चेकिंग के दौरान यात्री के कब्जे से टॉफी के रैपर में छिपाकर रखा 17 लाख रुपये से ज्यादा का सोना जब्त किया है। इसकी जानकारी कस्टम विभाग ने आधिकारिक बयान में दी। सीमा शुल्क विभाग की ओर से बताया गया कि राजस्थान के 22 वर्षीय भारतीय पुरुष यात्री दोहा से दिल्ली पहुंचा। जहां एयरपोर्ट पर शख्स ने यात्रा के बाद कस्टम अधिकारियों को चकमा देने की कोशिश की। लेकिन अधिकारियों के सामने उसकी चालाकी नहीं चली। अधिकारियों ने उसके सामान से बहुत सारी टॉफी बरामग की। लेकिन जांच में पता चला कि उस शख्स ने टॉफी के रैपर में 240 ग्राम (करीब) सोने की चेन छिपाकर रखी थी। अधिकारियों ने फौरन उस सोने को जब्त किया। जब्त किए गए सोने की कीमत 17.47 लाख रुपये है। सीमा शुल्क विभाग ने बताया तेज निगाह वाले अधिकारियों ने बैगेज एक्स-रे के दौरान संदिग्ध तस्वीरें देखीं, जिससे यह मीठी खोज हुई! जीवन भले ही चॉकलेट के डिब्बे जैसा हो, लेकिन सीमा शुल्क विभाग हमेशा आखिरी चीज चुनता है!

## श्वान पालने वालों के लिए बड़ी खबर, 1 जनवरी से अहमदाबाद में रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य

अहमदाबाद। शहर में श्वान पालने के शौकीनों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। शहर में आवारा पशुओं पर अंकुश के बाद अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) ने पालतु श्वान को लेकर बड़ा फैसला किया है। जिसके मुताबिक घर में श्वान रखने वालों को अब उसका पंजीकरण कराना होगा और यह नियम 1 जनवरी 2025 से लागू हो जाएगा। जानकारी के मुताबिक एएमसी ने घर में पालतु श्वान रखने के लिए पंजीकरण अनिवार्य कर दिया है। 1 जनवरी से पालतु श्वान का पंजीकरण करवाना अनिवार्य होगा। इतना ही नहीं पालतु श्वान और उसके रखने की जगह की तस्वीर भी एएमसी को उपलब्ध करानी होगी। पालतु श्वान रखने के लिए रु. 200 का भुगतान कर पंजीकरण कराना होगा और श्वान की तस्वीर एएमसी की वेबसाइट पर अपलोड करनी होगी। पालतु श्वान के पंजीकरण के लिए आवेदक को अपनी तस्वीर के अलावा अपना आधार या चुनाव कार्ड, बिजली बिल, पालतु श्वान की फोटो और उसे रखने की जगह की तस्वीर देनी होगी। इतना ही नहीं पालतु श्वान का अनिवार्य रूप से टीकाकरण भी करवाना होगा। अहमदाबाद शहर में जिन नागरिकों को अपने घर में श्वान पाल रखा है उन्हें 1 जनवरी 2025 से 90 दिनों के भीतर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। ताकि एएमसी के पास आपके पालतु श्वान का संपूर्ण ब्यौरा उपलब्ध रहेगा।

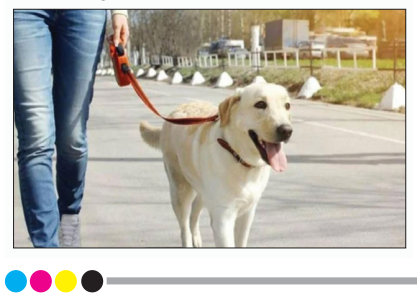

# सड़क दुर्घटनाओं में भारत का रिकॉर्ड ऐसा कि, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में मुंह छिपाना पड़ता है: गडकरी

**नई दिल्ली (एजेंसी)**। सत्ता पक्ष से विपक्षी दलों में सर्वाधिक लोकप्रिय मंत्री के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी संसद में अपनी साफगोई और स्पष्टवादिता के लिए जाने जाते हैं। मुद्दा चाहे किसी भी दल के जनप्रतिनिधि का हो, गडकरी की कार्यशैली से प्रभावित हुए बिना कोई रह नहीं सकता।

गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान लोकसभा में केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के एक वक्तव्य से हर कोई दंग रह गया। जिसमें उन्होंने देश में लगातार बढ़ती जा रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर अपनी गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि 'सड़क दुर्घटनाओं में कमी तो भूल जाइए, मुझे ये कहने में कोई झिझक नहीं है कि विश्व स्तर पर इस मामले में भारत का सबसे गंदा रिकॉर्ड है। मैं सड़क दुर्घटनाओं पर चर्चा के लिए होने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मुंह छिपाने की कोशिश करता हूं'। स्वीडन ने हालांकि दुनिया में जीरो दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है।

सड़क दुर्घटनाओं का आंकड़ा बताते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि देश में सालाना होने वाली सड़क दुर्घटनाओं का आंकड़ा 1.78 लाख है। उत्तर प्रदेश इस मामले में शीर्ष पर है। वहां सड़क दुर्घटनाओं के 23 हजार 652 मामले सामने आए हैं। यह कुल दुर्घटनाओं का करीब 13.7 फीसदी होता है। इसके बाद तमिलनाडु में 18 हजार 347 मामले सामने आए। जो कि 10.6 फीसदी होता है। तीसरे स्थान पर 15 हजार 366 मामलों के साथ महाराष्ट्र (9 फीसदी) है। चौथे स्थान पर 13 हजार 798 मामलों के साथ मध्य प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं का आंकड़ा 8 फीसदी पर रहा। इन चारों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से मुलाकात कर मामले में सुधार की कोशिश का तर्क गडकरी ने सदन के समक्ष दिया। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के शहरों में सामने आए मामलों के बारे में बताते हुए कहा कि दिल्ली में 1 हजार 457 मामले, बेंगलुरु में 915 और जयपुर में 850 सड़क दुर्घटना के मामले सामने आ चुके हैं।

### 50 फीसदी के लक्ष्य तक पहुंचने से कोसो दूर

गडकरी ने कहा कि मंत्रालय ने मौजूदा साल के अंत तक देश में सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े में 50 फीसदी की कटौती का लक्ष्य रखा था। इसे हम हासिल नहीं कर सके। बल्कि यह बढ़ गए हैं। यह हमारे लिए बड़ी चिंता का विषय है कि दुर्घटनाओं में 60 फीसदी मौतें 18 से 34 साल के युवाओं की हो रही है। केंद्रीय मंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सभी सांसदों से सहयोग करने का आह्वान किया। गडकरी ने कहा कि इस मामले में समाज के सहयोग की बेहद आवश्यकता है। लोग कानून का सम्मान नहीं करते जिसकी वजह से

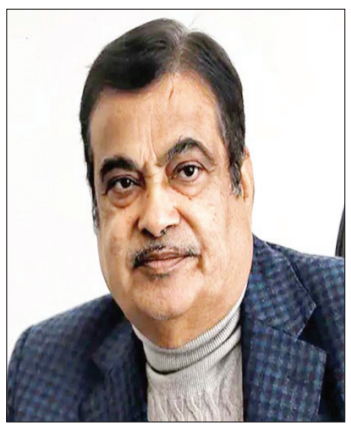

सड़क हादसों की संख्या बढ़ती जा रही है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी केंद्रीय मंत्री को मामले पर सदन के सभी सदस्यों को पुनः पत्र लिखकर सहयोग करने की अपील की। जिसे उन्होंने स्वीकार किया।

## निजी अस्पताल में लगी आग, 7 की मौत, कई झुलसे

### -मरने वालों में एक बच्चा और तीन महिलाएं शामिल, तीन गंभीर

चेन्नई। तमिलनाडु के डिंडीगुल स्थित एक निजी अस्पताल में गुरुवार रात आग लगने से अब तक सात लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई झुलस गए। मरने वालों में एक बच्चा और तीन महिलाएं शामिल हैं। तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक आग गुरुवार रात लगी। सूचना के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और रेस्क्यू किया। अस्पताल में फंसे लोगों को निकालने के लिए फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची। इसके बाद लोगों को बाहर निकालकर एम्बुलेंस और निजी एम्बुलेंस के जरिए दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया गया। आग डिंडीगुल जिले के तिरुचि रोड स्थित चार मंजिला अस्पताल के ग्राउंड फ्लोर पर लगी थी। इसके बाद धीरे-धीरे आग ने पूरे अस्पताल को अपनी चपेट में ले लिया। शुरुआती जांच में आग की वजह शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हादसे के बाद ग्रामीण विकास मंत्री पहुंची। इस हादसे को लेकर डिंडीगुल की जिला कलेक्टर ने कहा कि रात 10 बजे निजी अस्पताल में आग लगी थी। खबर मिलते ही रेस्क्यू किया गया। मरीजों को बचाकर पास के सरकारी और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है जिनका इलाज चल रहा है।

## अखिलेश का केंद्र पर हमला, देश की सीमाएं आज खतरे में और सुरक्षा में सेंध लगी हुई

**नई दिल्ली (एजेंसी)**।लोकसभा में संविधान पर चल रही चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सरकार पर संविधान के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों का हनन करने और अल्पसंख्यकों को हाशियों पर धकेलने का आरोप लगाया। यादव ने कहा कि देश की सीमाएं आज खतरे में हैं। उन्होंने कहा, सीमाओं की रक्षा करना किसी भी सरकार का प्राथमिक कर्तव्य है, लेकिन वर्तमान सरकार के कार्यकाल में सीमाएं सिकुड़ रही हैं और सीमा सुरक्षा में सेंध लगने की घटनाएं बढ़ी हैं। उन्होंने देश में बढ़ती आर्थिक विषमता पर चिंता जताकर कहा, आज 82 करोड़ लोग सरकारी अन्न पर निर्भर हैं, जबकि मोदी सरकार अर्थव्यवस्था को ऊंचाई पर बताती है। उन्होंने सवाल उठाया कि देश की 60 प्रतिशत आबादी की प्रति व्यक्ति आय क्या है?

अल्पसंख्यकों के अधिकार और सुरक्षा

सपा प्रमुख अखिलेश ने आरोप लगाया कि अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से मुसलमानों, को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उनके खिलाफ हिंसा और संपत्ति नुकसान की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। अखिलेश यादव ने संविधान को लोकतंत्र की प्राणवायु और 90 प्रतिशत जनता का सुरक्षा कवच बताया। उन्होंने कहा, संविधान की प्रस्तावना इसकी आत्मा है और यही हमें समानता और न्याय की दिशा में ले जाती है।

# दिल्ली के बाद अब रांची में बढ़ा वायु प्रदूषण, जमशेदपुर-धनबाद भी पीछे नहीं

### -खुले में सांस लेना हुआ खतरनाक, मास्क लगाने की दी जा रही सलाह

**रांची (एजेंसी)**। एक तरफ ठंड की मार लोग झेल रहे हैं वहीं दिल्ली की हवा भी प्रदूषित है। अब दिल्ली के साथ ही झारखंड के भी हालात बिगड़ने लगे हैं। दूषित हवा के मामले में जमशेदपुर कुछ दिनों पहले टॉप पर था लेकिन दो दिनों से वहां कुछ सुधार हुआ है अब टॉप पोजीशन पर रांची आ गया है। जी हां! पिछले दो दिनों से एयर क्वालिटी इंडेक्स रिपोर्ट में रांची 200 से पार पहुंच गया है।

वहीं, जमशेदपुर व धनबाद का आंकड़ा भी 150 के ऊपर चला गया। ताजा आंकड़ा भी काफी निराशाजनक है जिसे लेकर लोगों को सचेत रहना होगा। वहीं, घर से बाहर निकले तो मास्क जरूर लगाएं। एयर क्वालिटी इंडेक्स के मुताबिक पिछले 24 घंटे में रांची में प्रदूषण का स्तर सबसे ऊपर रहा। यहां एक्युआई का आंकड़ा

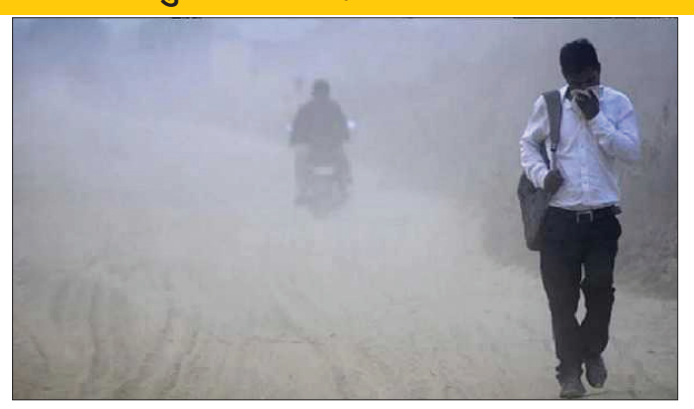

233, जमशेदपुर का 165 और धनबाद का 162 दर्ज किया गया है। जो सामान्य से ऊपर है। वहीं, आज रांची का सबसे ज्यादा 225, धनबाद का 166 और जमशेदपुर का 165 रहने की संभावना है। इन शहरों में खुले में सांस लेना खतरनाक हो सकता है। ऐसे में लोगों को मास्क लगाने की सलाह दी जा रही है।

पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की ओर से प्रदूषण वाले शहर के लोगों को सावधान रहने की सलाह दी जा रही है। लोगों से घर के बाहर निकलने पर मास्क जरुर लगाने को कहा जा रहा है। वहीं घर के दरवाजे-खिड़की को ज्यादातर बंद रखने को कहा है ताकि घर के अंदर धूलकण आने से रोका जा सके। संभव हो तो घर में एयर प्यूरीफायर लगा सकते हैं। बाहर धूल या गंदी जगहों पर बच्चों को खेलने न दें।

बता दें 0 से 50 के बीच में एयर क्वालिटी इंडेक्स अच्छा माना जाता है। वहीं, 51 से 100 के बीच सामान्य, 101 से 200 के बीच खराब, 201 से 300 के बीच अनहेल्दी, 301 से 400 के बीच सर्वर और 401 से 500 के बीच खतरा यानी यह डेंजर जोन में आता हैं इसलिए वायु प्रदूषण के बचने के लिए चेतावनी और अपील की जा रही है।

## केंद्रीय नेतृत्व ने फडणवीस को खुली छूट, मंत्रिमंडल का गठन अपने हिसाब से करें

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कथित तौर पर महाराष्ट्र मंत्रिमंडल के गठन के संबंध में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को खुली छूट दे दी है। प्रोफाइल और विभाग आवंटित करने की जिम्मेदारी सीएम फडणवीस की ही होगी। राज्य के लिए महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का विस्तार 14 दिसंबर को होगा। रिपोर्ट के अनुसार, बीजेपी को 20 मंत्री पद मिलने की उम्मीद है, जबकि शिवसेना और एनसीपी को 10-10 विभाग मिलने की उम्मीद है। महाराष्ट्र के नवनियुक्त मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना चुका है। महाराष्ट्र भी विकास की कहानी का हिस्सा बनने की इच्छा रखता है। सीएम फडणवीस ने कहा कि उनके मंत्रिमंडल में भाजपा के संभावित मंत्रियों के नाम शॉर्टलिस्ट कर लिए गए हैं और अंतिम निर्णय पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व करेगा। पिछले माह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने भारी जीत दर्ज की थी। भाजपा-शिवसेना-राकांपा गठबंधन ने 230 सीटें जीतीं, जबकि गठबंधन का हिस्सा छोटे दल पांच सीटों पर विजयी रहे। फडणवीस के अलावा, शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजनीति, उद्योग और मनोरंजन क्षेत्र के कई नेताओं की उपस्थिति में उपमुख्यमंत्रियों के रूप में शपथ ली। फडणवीस ने सत्ता-साझाकरण समझौते पर सत्तारूढ़ गठबंधन के बीच मतभेदों की रिपोर्टों को भी खारिज कर दिया।

## दिल्ली बीजेपी ने 5000 पन्नों के सबूतों के साथ अवैध रोहिंग्या, बांग्लादेशी, डुप्लीकेट और फर्जी पते वाले मतदाताओं के खिलाफ आपत्ति दर्ज की

**नई दिल्ली (एजेंसी)**। दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने आज मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य दो चुनाव आयुक्तों से मुलाकात कर दिल्ली की मतदाता सूची में लाखों अवैध घुसपैठियों (रोहिंग्या और बांग्लादेशी मूल के), डुप्लीकेट, फर्जी पते वाले और मृत लोगों के नाम शामिल होने का विरोध दर्ज कराया। उन्होंने मांग की कि चुनाव आयोग इन शिकायतों को प्राथमिकता से कानूनी आधार पर हल करे ताकि दिल्ली विधानसभा चुनाव पारदर्शी और निष्पक्ष हों।

वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व वाले इस प्रतिनिधिमंडल में बीजेपी की चुनाव समन्वय समिति के राष्ट्रीय संयोजक ओम पाठक, केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता सुबांसुरी स्वराज, दिल्ली बीजेपी मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर और दिल्ली बीजेपी चुनाव समिति के संयोजक अधिवक्ता संकेत गुप्ता शामिल थे।

वीरेंद्र सचदेवा ने ECI को 5000 पन्नों के प्राथमिक सबूतों के साथ विस्तृत प्रस्तुति दी। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष ने चुनाव आयोग को

बताया कि यह हैरानी की बात है कि हर बार लोकसभा चुनाव समाप्त होने और विधानसभा चुनाव शुरू होने के बीच लाखों नए मतदाता पंजीकृत होते हैं। यह संख्या वार्षिक मतदाता सारांश संशोधन की सामान्य प्रक्रिया से काफी अधिक होती है।

सचदेवा ने कहा कि अगस्त 2024 के चुनाव आयोग के एक सर्कुलर के आधार पर, बीजेपी कार्यकर्ता दिल्ली के 70 विधानसभा क्षेत्रों में जांच कर रहे हैं और पाया है कि बड़ी संख्या में अवैध रोहिंग्या और बांग्लादेशी मतदाता पंजीकृत हैं। इसके अलावा, डुप्लीकेट, फर्जी पते और मृत मतदाता भी बड़ी संख्या में सूची में शामिल हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से अपील की कि अवैध मतदाताओं के पंजीकरण और नकली मतदान के खिलाफ अभियान चलाया जाए। उन्होंने मीडिया और रेडियो अभियानों के जरिए ऐसे मतदाताओं को सख्त चेतावनी देने की भी मांग की।

### बांसुरी स्वराज ने दिए कानूनी सबूत

सुबांसुरी स्वराज ने 18 मजबूत सबूतों की सूची प्रस्तुत की, जिनमें रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के पंजीकरण का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि कैसे कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूचियों में एक ही परिवार के व्यक्ति अलग-अलग EPIC नंबरों के साथ बार-बार पंजीकृत हैं। उन्होंने ऐसे मामलों का जिक्र किया जहां एक ही समुदाय के मतदाता गैर-मौजूद पते पर पंजीकृत हैं या एक ही परिवार के सदस्य एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में पंजीकृत हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बीएलओ अपने पवित्र कर्तव्य को निभाने में विफल हो रहे हैं। हर्ष मल्होत्रा ने आम आदमी पार्टी के गलत प्रचार पर चुनाव आयोग को विरोध से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि बीजेपी केवल घुसपैठियों और फर्जी पते वाले मतदाताओं का विरोध कर रही है, न कि भारतीय मूल के मतदाताओं का। उन्होंने चुनाव आयोग से मीडिया के माध्यम से इस मामले पर स्पष्टता देने का अनुरोध किया।

# पुरुषो के खिलाफ दहेज कानून के दुरुपयोग को रोकने की मांग

### बेंगलुरु इंजीनियर अतुल सुभाष आत्महत्या के बाद सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका

**नई दिल्ली (एजेंसी)**। बेंगलुरु स्थित एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की आत्महत्या के बाद दहेज कानूनों के दुरुपयोग और दुरुपयोग के लिए दिशानिर्देश पेश करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। उत्तर प्रदेश के 34 वर्षीय तकनीकी विशेषज्ञ अतुल सुभाष की मंगलवार को बेंगलुरु में उनके आवास पर आत्महत्या से मृत्यु हो गई। सुभाष ने 24 पन्नों का एक नोट और 1.5 घंटे लंबा एक वीडियो छोड़ा, जिसमें अपनी अलग रह रही पत्नी और उसके परिवार पर उत्पीड़न और उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने का आरोप लगाया गया।

वकील विशाल तिवारी द्वारा दायर याचिका में अदालत से केंद्र को अपने पहले के फैसले में की गई टिप्पणियों को

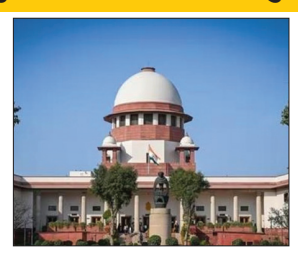

लागू करने का निर्देश देने की मांग की गई। अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 498 ए के दुरुपयोग को चिह्नित किया था, जहां पति और उसके रिश्तेदारों को पत्नी के खिलाफ घरेलू क्रूरता का आरोप लगाते हुए अनावश्यक रूप से आपराधिक मामलों में घसीटा जाता है। इसने अदालत से मौजूदा दहेज और घरेलू हिंसा कानूनों की समीक्षा और सुधार करने और उनके दुरुपयोग को रोकने के उपाय सुझाने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीशों, वकीलों और कानूनी न्यायविदों की एक विशेषज्ञ समिति बनाने के निर्देश जारी करने की भी मांग की। याचिका में यह भी मांग की गई है कि विवाह पंजीकरण में विवाह के दौरान दिए गए सामान और उपहारों को भी दर्ज किया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा था कि अदालतों को दहेज उत्पीड़न के मामलों में सावधानी बरतनी चाहिए ताकि कानून का दुरुपयोग रोका जा सके और पति के रिश्तेदारों को फंसाने की प्रवृत्ति को देखते हुए परिवार के निर्दोष सदस्यों को अनावश्यक परेशानी से बचाया जा सके।

# अमेरिका ने क्यों नहीं सौंपा खालिस्तानी आतंकी पन्नू का बैंक डिटेल, इसके पीछे क्या है मंसूबा?

**नई दिल्ली (एजेंसी)**। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को से जुड़ा बड़ा अपडेट सामने आया है। भारत ने एक मामले में अमेरिका से आतंकी पन्नू के बैंक खातों और मोबाइल नंबर्स की डिटेल मांगी थी। वॉशिंगटन ने जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया। भारत और अमेरिका के बीच आतंकवाद के खिलाफ सहयोग करने का करार है, इसके बावजूद भारतीय जांच एजेंसी की मांग को ठुकरा दिया। बता दें कि खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को भारत ने यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया हुआ है। उस पर कई संगीन धाराओं में मामला दर्ज है। बता दें कि पन्नू ने पंजाब और हरियाणा में स्वतंत्रता दिवस से पहले इमारतों पर तिरंगे की जगह खालिस्तान का झंडा फहराने वाले को 2,500 डॉलर देने की घोषणा की थी।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने एक गंभीर मामले की छानबीन के दौरान अमेरिका से खालिस्तानी आतंकी पन्नू के बैंक खातों की डिटेल और मोबाइल फोन नंबर्स का ब्योरा मांगा। रिपोर्ट की मानें तो अमेरिका ने भारत के इस आग्रह को ठुकराते हुए इनसे जुड़ी जानकारियां साझा करने से इनकार कर दिया। अमेरिकी अधिकारियों ने अपने घरेलू कानूनी प्रावधानों का हवाला देते हुए बैंक अकाउंट डिटेल और मोबाइल फोन नंबर्स का ब्योरा साझा करने से इनकार कर दिया।

अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि जिस अपराध के लिए एनआईए की ओर से जानकारी मांगी गई थी, उसके लिए अमेरिका में सिर्फ 1 साल जेल का प्रावधान है। ऐसे में संबंधित अपराध के लिए इस तरह की जानकारियां उपलब्ध नहीं कराई जा सकती हैं।एनआईए ने चार साल से भी ज्यादा पुराने मामले में पन्नू से जुड़ी डिटेल अमेरिका से मांगी थी. दरअसल, 14 अगस्त 2020 को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर दो लोगों ने सुरक्षा घेरा तोड़कर मोगा के जिला प्रशासनिक परिसर में प्रवेश किया. उन्होंने छत पर खालिस्तान का झंडा फहराया और तिरंगे का अपमान किया। तत्कालीन मोगा एसएसपी हरमनबीर सिंह गिल ने कहा था कि दोनों लोगों की तस्वीरें सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थीं. इस मामले में फरार पन्नू के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया था। एनआईए इस मामले की जांच कर रही है.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संक्षिप्त समाचार

### काबुल में बम विस्फोट, शरणार्थी मामलों के मंत्री हक्कानी की मौत

**इस्लामाबाद , एजेंसी।** अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में बुधवार को एक आत्मघाती बम विस्फोट में तालिबान सरकार के शरणार्थी मामलों के मंत्री की मौत हो गई. यह जानकारी गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने दी. अधिकारियों के मुताबिक विस्फोट मंत्रालय के भीतर हुआ. इस वजह से शरणार्थी मामलों के मंत्री खलील हक्कानी की मौत हो गई. बता दें कि खलील हक्कानी ऐसे वरिष्ठ पदाधिकारी थे जिनकी अफगानिस्तान में तालिबान के द्वारा सत्ता प्राप्त किए जाने के तीन साल के अंदर बम विस्फोट में मौत हुई है. हालांकि तत्काल बम विस्फोट की किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है. अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, हक्कानी हक्कानी नेटवर्क का एक वरिष्ठ नेता था, जो तालिबान के भीतर एक शक्तिशाली आतंकवादी गुट है. हक्कानी समूह पर 20 साल के विद्रोह के दौरान पूरे अफगानिस्तान में बड़े हमले करने का आरोप है. बता दें उसका भतीजा, सिराजुद्दीन हक्कानी, अब नेटवर्क का नेतृत्व करता है और तालिबान के कार्यवाहक आंतरिक मंत्री के रूप में कार्य करता है. 2021 में तालिबान द्वारा देश पर कब्जा करने के बाद से अफगानिस्तान में हिंसा कम हो गई है, जिससे संयुक्त राज्य अमेरिका और नाटो के नेतृत्व वाली विदेशी सेनाओं के खिलाफ उनका युद्ध समाप्त हो गया है. हालांकि, इस्लामिक स्टेट की क्षेत्रीय शाखा, जिसे इस्लामिक स्टेट खुरासान के नाम से जाना जाता है, देश में सक्रिय है. आईएसआईएस खुरासन नियमित रूप से नागरिकों, विदेशियों और तालिबान अधिकारियों को बंदूक और बम हमलों के जरिए निशाना बनाती रही है।

### सूडान के उत्तरी दारफुर में अर्धसैनिक बलों के हमले में 15 लोगों की मौत

**खार्तूम , एजेंसी।** सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी एल फशर के दक्षिण में एक विस्थापन शिविर और एक बाजार पर अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) ने तोपखाने से गोले दागे, जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 64 अन्य घायल हो गए। उत्तरी दारफुर राज्य के स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक इब्राहिम ख़ातिर ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया, अब तक 15 लोग मारे गए हैं और 64 अन्य घायल हुए हैं। वहीं जमजम शिविर और पशुधन बाजार पर आरएसएफ मिलिशिया का हमला अभी भी जारी है। हताहतों में ज्यादातर बच्चे और महिलाएं हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी ने स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह 6ः00 बजे हुए हमले को सबसे हिंसक बताया। आरएसएफ ने 10 मई को एल फशर की घेराबंदी शुरू की थी।

### ब्रिटेन में सड़क दुर्घटना में भारतीय छात्र की मौत, चार लोग घायल

**लीसेस्टरशायर, एजेंसी।** बयान में कहा गया है, ''पंगुलुरी की मौके पर ही मौत हो गई तथा वाहन में सवार तीन अन्य यात्री और चालक को अस्पताल ले जाया गया। दो पुरुष यात्री गंभीर रूप से घायल हैं।'' बताया जा रहा है कि ये सभी लोग आंध्र प्रदेश से हैं। पूर्वी इंग्लैंड के लीसेस्टरशायर में सड़क दुर्घटना में एक भारतीय छात्र की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी है। लीसेस्टरशायर की पुलिस ने बताया कि हादसा मंगलवार सुबह हुआ जिसमें एक कार के खाई में गिर जाने से उसमें सवार चिरंजीवी पंगुलुरी की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक महिला, दो पुरुष और चालक घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि वाहन चालक (27) को खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था लेकिन उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया है।

### एमआईटी में भारतीय मूल के पीएचडी छात्र को निलंबित किया गया

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका स्थित 'मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' (एमआईटी) में पीएचडी कर रहे भारतीय मूल के एक छात्र को फलस्तीन समर्थक सक्रियता के कारण जनवरी 2026 तक निलंबित कर दिया गया है और उसने विश्वविद्यालय के फैसले के खिलाफ अपील की है। ' एमआईटी कोलिशन अगेंस्ट अपार्थेड' नामक एक संगठन ने 'एक्स' पर एक 'पोस्ट' साझा करके बताया कि नेशनल साइंस फाउंडेशन के फेलो प्रह्लाद अयंगर को ''जनवरी 2026 तक निलंबित'' कर दिया गया है। संगठन ने कहा कि इस निलंबन से अयंगर की पांच वर्षीय एनएसएफ फेलोशिप समाप्त हो जाएगी तथा उनका शैक्षणिक कैरियर बुरी तरह प्रभावित होगा। उसने कहा कि 'इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस' विभाग में पीएचडी के छात्र अयंगर बुधवार को एमआईटी में कुलपति के समक्ष ''इस निर्णय के खिलाफ अपील कर रहे हैं'' जो ''इस उत्पीड़न को रोकने और उनकी अकादमिक गरिमा को बहाल करने का अंतिम अवसर है।'' संगठन ने कहा, ''यह निर्णय भाषण-संबंधी गतिविधियों के परिणामस्वरूप लगाए गए कई प्रतिबंधों में सबसे कठोर है।

# अदालत ने खारिज की हिंदू संत चिन्मय दास की अपील

## कहा- तय तारीख पर ही होगी जमानत याचिका पर सुनवाई

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश की एक अदालत ने बुधवार को राजद्रोह के मामले में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की जमानत याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि उनकी याचिका पर सुनवाई पहले तय की गई तारीख 2 जनवरी 2025 को होगी।

अदालत के अधिकारियों के मुताबिक, चटगांव मेट्रोपोलिटन सेशन जज सैफुल इस्लाम ने याचिका खारिज की, क्योंकि वकील के पास चिन्मय दास की ओर से याचिका दायर करने का अधिकार पत्र (पावर ऑफ अटॉर्नी) नहीं था। वकील रवींद्र घोष ने अदालत से याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की थी। हालांकि, जब दूसरे वकील ने अदालत को बताया कि रवींद्र घोष के पास चिन्मय दास की ओर से उनका प्रतिनिधित्व करने का अधिकार पत्र नहीं है, तो जज ने उनकी जल्द सुनवाई की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी। अदालत के एक अधिकारी ने बताया कि घोष ने कहा कि दास को झूठे और मनगढ़ंत मामले में फंसाया गया है, जबकि वे डायबिटीज, अस्थमा और अन्य बीमारियों से जूझ रहे हैं। हालांकि, वकील ने यह माना कि उन्होंने चिन्मय दास से अधिकार पत्र हासिल करने के लिए जेल में उनसे मुलाकात नहीं की थी। उन्होंने कहा, अब मैं चिन्मय दास से मिलने जेल जाऊंगा और उनसे अधिकार पत्र हासिल करूंगा। इससे पहले, तीन दिसंबर को होने वाली सुनवाई को अदालत ने 2 जनवरी 2025 तक के लिए स्थगित कर दिया था, क्योंकि उस दिन



आरोपी की ओर से कोई वकील पेश नहीं हुआ था। अभियोजन पक्ष के सुझाव पर यह तारीख बदली गई थी।

दास के एक सहयोगी और उनके सम्मिलित सनातनी जागरण जोत संगठन के सदस्य स्वतंत्र गौरंग दास ने पहले कहा था कि किसी भी वकील ने दास के लिए प्रतिनिधित्व नहीं किया, क्योंकि उन पर राजनीतिक रूप से प्रेरित वकीलों के समूह से दबाव था और धमकियां मिली थीं।

हवाई अड्डे से गिरफ्तार किए गए थे चिन्मय कृष्ण दास

चिन्मय कृष्ण दास पहले इस्कॉन से जुड़े रहे हैं। उन्हें 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था। अगले दिन चटगांव की अदालत ने उन्हें जेल भेज दिया था और उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी, क्योंकि उन पर बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने का आरोप था। दास की गिरफ्तारी के बाद उनके अनुयायियों ने ढाका और अन्य स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किए, जिसमें चटगांव में प्रदर्शन हिंस गया, जहां एक वकील की मौत हुई। इस वकील की मौत के बाद इस्कॉन पर बांग्लादेश में प्रतिबंध लगाने की मांग की गई। इस्कॉन ने भी यह कहते हुए दास से दूरी बना ली कि उन्हें छह महीने पहले संगठन से निकाल दिया गया था।

31 अक्तूबर को चटगांव के कोटवाली थाने में दास और उनके 18 अन्य सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। आरोप था कि उन्होंने बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान किया। जिसमें एक स्थानीय नेता भी शामिल था, जो पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी का सदस्य था। लेकिन उसे पार्टी से निकाल दिया गया था।

## एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे का पद छोड़ने का एलान

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे ने पद छोड़ने का एलान कर दिया है। रे ने कहा है कि वे जो बाइडन का कार्यकाल खत्म होने के बाद ही जनवरी में एफबीआई निदेशक का पद छोड़ देंगे। क्रिस्टोफर रे का यह एलान डोनाल्ड ट्रंप के उस एलान के एक हफ्ते बाद ही आया है, जिसमें ट्रंप ने कश पटेल को एफबीआई का नया निदेशक बनाने का एलान किया था। बुधवार को एफबीआई मुख्यालय में आयोजित हुई एक बैठक में क्रिस्टोफर ने पद छोड़ने का एलान किया। अभी रे के 10 साल के कार्यकाल में तीन साल का समय और बचा है। हालांकि जब ट्रंप ने कश पटेल को एफबीआई का नया निदेशक बनाने का एलान किया था तो तभी से इस बात की चर्चा थी कि क्रिस्टोफर रे समय से पहले इस्तीफा दे सकते हैं, लेकिन ट्रंप के शपथ लेने से पहले ही इस्तीफे का एलान कर क्रिस्टोफर रे ने चौंकाया है। माना जा रहा है कि नई सरकार के साथ किसी तरह के टकराव से बचने के लिए क्रिस्टोफर रे ने पद छोड़ना ही बेहतर समझा है। अपने कार्यकाल के दौरान रे ने एफबीआई को राजनीति से दूर रखने की कोशिश की। पद छोड़ने का एलान करते हुए क्रिस्टोफर रे ने कहा कि पद छोड़ने का एलान उनके लिए आसान नहीं है। मुझे इस जगह से प्यार है और मुझे अपने काम से भी प्यार है, लेकिन मेरा फोकस हमेशा इस बात पर रहा है कि एफबीआई के लिए क्या सही है। जब रे ने यह एलान किया तो उस दौरान बैठक में मौजूद कई लोगों की आंखों में आंसू भी देखे गए। वहीं रे के इस्तीफे के एलान पर ड्रोनाल्ड ट्रंप ने भी प्रतिक्रिया दी है। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ट्रंप ने इसे अमेरिका के लिए एक अच्छा दिन बताया और इससे अमेरिका के अन्याय विभाग का शस्त्रीकरण बंद होगा।

## सिंगापुर में भारतीय नागरिक को जेल, अवैध रूप से 58 कछुए ले जाने का आरोप

**सिंगापुर, एजेंसी।** सिंगापुर में अवैध रूप से कछुए ले जाने के लिए भारतीय नागरिक को एक साल और चार महीने की जेल की सजा सुनाई गई है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी को अगस्त में 58 इंडियन स्टार कछुओं के साथ पकड़ा गया था. द स्ट्रेट्स टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया कि आरोपी अब्दुल जाफर हाजी अली के निजी सामान में कछुए छिपाए गए थे, जब वह 29 अगस्त को भारत से सिंगारपुर के चांगी एयरपोर्ट पर पहुंचा था, जहां से उसे जकार्ता के लिए दूसरी उड़ान लेनी थी. 40 वर्षीय अली ने सीलबंद बैग में कछुए छिपाए थे, जो हवादार नहीं था. सिंगापुर की अदालत ने देश में अवैध रूप से इंडियन स्टार कछुए लाने के लिए अली को दोषी ठहराया, क्योंकि इन कछुओं को अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (ढ्ढष्टह्) द्वारा लुप्तप्राय प्रजाति घोषित किया गया है. इससे पहले, अली पर लुप्तप्राय प्रजाति (आयात और निर्यात) अधिनियम और पशु एवं पक्षी अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए थे कि कछुओं को कोई नुकसान न पहुंचे, यह सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम नहीं उठाया गया था. रिपोर्ट के अनुसार, कछुओं में से एक की मौत हो गई थी, जबकि 22 अन्य को बाद में कमजोर पाया गया. अली को ये कछुए अपने दोस्त से मिले थे, जिसकी पहचान अदालती दस्तावेजों में भाई के रूप में की गई है. भाई ने विदेश यात्रा की व्यवस्था करने में अली की मदद की थी, जिसमें फ्लाइट का टिकट और रहने की व्यवस्था करना शामिल था. इसके बदले में, भाई ने पैक किए गए सामान को जकार्ता तक ले जाने के लिए अली से मदद मांगी. सिंगापुर के नेशनल पार्क्स बोर्ड (एनपार्क) के वकील लिम चोंग हुई ने कहा कि अली ने पैकेज की सामग्री के बारे में नहीं पूछा और न ही भाई द्वारा 28 अगस्त को चेन्नई में इसे सौंपने के बाद कभी भी इसकी जांच की. लिम ने कहा कि आरोपी को भाई की उपस्थिति में सामान की सामग्री की जांच करने और उसे सत्यापित करने का पर्याप्त अवसर मिला था.

## सीरिया की क्षेत्रीय अंखडता के किसी भी उल्लंघन के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र, इजरायल को सुनाई खरी-खरी

**संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र सीरिया की क्षेत्रीय अखंडता के किसी भी उल्लंघन के खिलाफ है। एक यूएन प्रवक्ता ने यह बयान दिया है। यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बशर अल-असद सरकार के पतन के बाद इजरायल ने गोलान हाइट्स में एक बफर जोन पर कब्जा कर लिया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने दैनिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा, यह बहुत स्पष्ट है कि हम सीरिया की क्षेत्रीय अखंडता के किसी भी उल्लंघन के खिलाफ हैं। हम इस तरह के हमलों के भी विरोध में हैं। दुजारिक से उन मीडिया रिपोर्ट्स के बारे में पूछा गया था जो इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) के 320 सीरियाई सैन्य ठिकानों पर हमले को लेकर थी। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, अल-असद की सरकार के पतन के बाद, इजरायल ने सीरिया में अपने सैन्य अभियान को तेज कर दिया और गोलान हाइट्स में एक गैर-सैनिक बफर जोन पर कब्जा कर लिया। दुजारिक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र गोलान हाइट्स को सीरिया का कब्ज़ा वाला क्षेत्र मानता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम बफर ज़ोन पर आईडीएफ के कब्ज़े के बाद हुए 1974 के सीरिया-इजरायल समझौते के उल्लंघन के बारे में बहुत स्पष्ट थे। प्रवक्ता ने कहा, मुझे लगता है कि यह सीरिया के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है।

# ब्रिटेन में चचेरे भाई-बहन की शादी बैन करने की मांग

## सांसद ने कहा कि इससे आनुवांशिक बीमारियां बढ़ रहीं, भारतवंशी सांसद ने विरोध किया

**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटेन में एक कंजर्वेटिव नेता ने संसद में चचेरे भाई-बहनों के बीच शादी पर रोक लगाने की मांग की है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक रिचर्ड होल्डन ने बुधवार को प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि चचेरे भाई-बहनों के बीच शादियों से हुए बच्चों में बीमारियां और विकलांगता का खतरा बहुत बढ़ गया है। यह पब्लिक हेल्थ सिस्टम को प्रभावित कर रहा है। सांसद ने ऑक्सफोर्ड जर्नल ऑफ लॉ एंड रिलीजन शोध का हवाला देते हुए कहा कि इन शादियों से होने वाले बच्चों में सामान्य बच्चों की तुलना में आनुवांशिक बीमारियां होने का खतरा दोगुना ज्यादा होता है। यह प्रथा महिलाओं की सुरक्षा के लिए भी खतरा है।

होल्डन ने कहा कि आधुनिक ब्रिटिश समाज के लिए यह प्रथा बिल्कुल भी सही नहीं है। देश के लिए चिंताजनक स्थिति पैदा हो गई है, क्योंकि उनके दादा-दादी के वक्त की तुलना में अब हालात ज्यादा खराब हो चुके हैं। हालांकि, पिछले कुछ साल से इसमें गिरावट आ रही है, क्योंकि कुछ युवा इस सिस्टम को नहीं मान रहे हैं, लेकिन फिर भी इस पर रोक लगाना जरूरी है। होल्डन ने कहा कि ब्रिटेन में कुछ प्रवासी समुदाय, जैसे कि ब्रिटिश-पाकिस्तानी और आयरिश ट्रैवलर्स में चचेरे भाई-बहनों के बीच विवाह दर ज्यादा है। इनमें करीब 40त्न शादियां फर्स्ट कजन (चचेरे भाई-बहनों) के बीच होती हैं।

ब्रिटेन में फर्स्ट कजन मैरिज पर कानून नहीं सांसद ने कहा कि दुनियाभर में करीब 10प्रतिशत शादियां चचेरे भाई-बहनों में होती है। अफ्रीका के सहारा रीजन में 35 से 40 फीसदी लोग चेचेरे भाई-बहनों में शादी करते हैं। मिडिल ईस्ट और साउथ एशिया में भी यह कल्चर बेहद आम है। पाकिस्तान के कुछ हिस्से में तो यह 80प्रतिशत पहुंच चुकी है।

ब्रिटेन में भाई-बहन, माता-पिता या फिर अपने ही बच्चे से विवाह पर बैन है, लेकिन चचेरे भाई-बहनों के बीच शादियों को लेकर वहां कोई कानून नहीं है। होल्डन के प्रस्ताव पर कई कंजर्वेटिव साथियों का साथ मिला। हालांकि, सरकार के समर्थन के बिना यह कानून बनना संभव नहीं है। भारतीय मूल के सांसद बोले- बैन समाधान नहीं, जागरूकता बढ़ाएं निर्दलीय ब्रिटिश सांसद इकबाल मोहम्मद ने इस प्रस्ताव का विरोध किया है। उन्होंने संसद में कहा कि चचेरे भाई-बहनों की शादियों पर प्रतिबंध लगाना सही नहीं है। गुजराती मूल के सांसद ने कहा कि इस परेशानी को जागरूकता से ही दूर किया जा सकता है। इकबाल मोहम्मद मूल रूप से गुजरात के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि उप-सहारा अफ्रीकी आबादी का 35 प्रतिशत से 50 प्रतिशत हिस्सा तो चचेरे भाई-बहन की शादी को पसंद करते हैं। यह मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया में बेहद आम है। मोहम्मद ने कहा कि चचेरे भाई-बहनों में शादियां बहुत आम है, क्योंकि इससे पारिवारिक बंधन बनाने में, पारिवारिक संपत्ति सुरक्षित रखने में मदद मिलती है।

## हिजाब नहीं पहना तो मौत की सजा; ईरान का नया कानून और खतरनाक, 2 साल पहले खिलाफत में उठी थी आवाजें

**तेहरान, एजेंसी।** अपने सख्त कानूनों को लेकर चर्चा में रहने वाले ईरान ने हिजाब को लेकर नए कानून बनाए हैं जिस पर विवाद खड़ा हो गया है। इन कानूनों के तहत हिजाब नियमों का उल्लंघन करने पर महिलाओं को मौत की सजा तक दी जा सकती है। ईरान के नए कानून के अनुच्छेद 60 के तहत उल्लंघन करने पर महिलाओं को जुर्माना भरने, कोड़े खाने या कठोर जेल की सजा हो सकती है। वहीं एक से ज्यादा बार अपराध करने वालों को 15 साल तक की जेल या फांसी की सजा भी हो सकती है। ईरानी अधिकारियों ने देश में ड्रेस कोड का उल्लंघन करने वाली महिलाओं के लिए विवादास्पद हिजाब क्लीनिक खोलने का भी ऐलान किया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक विदेशी मीडिया या संगठनों में हिजाब विरोधी विचारों को बढ़ावा देने के आरोपी लोगों को 10 साल तक की जेल की सजा मिलेगी। साथ ही 12,500 पाउंड तक का जुर्माना भी भरना पड़ सकता है। इसके अलावा कानून का उल्लंघन करने वाली महिलाओं की गिरफ्तारी को रोकने या हस्तक्षेप करने की




कोशिश करने वाले लोगों को भी नहीं बख्शा जाएगा। ईरान की सरकार ऐसे लोगों को सीधे जेल में डाल सकती है। ईरान के मुताबिक नए कानूनों का उद्देश्य हिजाब की संस्कृति की पवित्रता को बनाए रखना है। ईरान ने कहा है कि ढंग से कपड़े ना पहनने, नग्नता को बढ़ावा देने या चेहरे को ढकने का विरोध करने पर कठोर से कठोर सजा दी जाएगी। गौरतलब है कि 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ईरान ने महिलाओं को सार्वजनिक जगहों पर बाल ढकने का कानून लागू किया है। 2022 में इन कानूनों के विरोध में देश भर में प्रदर्शन हुए थे। ईरान में 16 सितंबर, 2022 को 22 वर्षीय कुर्द महिला महसा अमिनी की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। महसा को तेहरान में तैनात मोरल पुलिस ने देश के ड्रेस कोड का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उसकी मौत के बाद पूरे देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। इन प्रदर्शनों में कई सुरक्षाकर्मियों सहित सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। तब ईरानी सरकार ने इन प्रदर्शनों को रोकने के लिए हजारों प्रदर्शकारियों को गिरफ्तार किया था।

## ट्रंप ने की दो और प्रमुख नियुक्तियां, ड्र्यू फर्गुसन को एफटीसी चीफ तो किंबर्ली को ग्रीस का राजदूत चुना

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो और प्रमुख नियुक्तियां की है। ट्रंप ने एंड्र्यू फर्गुसन को फेडरल ट्रेड कमिशन (एफटीसी) के अगले प्रमुख के तौर पर नामित किया है। वहीं ग्रीस में अमेरिकी राजदूत के तौर पर किंबर्ली गिलफॉयल को नियुक्त किया है। फर्गुसन लीना खान की जगह लेंगे, जो अरबों डॉलर के कॉरपोरेट अधिग्रहणों को अवरुद्ध करके तथा प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यवहार का आरोप लगाते हुए अमेजन और मेटा पर मुकदमा दायर करके चर्चा का केंद्र बनीं। ग्रीस में अमेरिका के राजदूत की नियुक्ति ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच के जरिये किंबर्ली गिलफॉयल को ग्रीस के लिए अमेरिका का राजदूत नामित किया। गिलफॉयल लंबे समय से ट्रंप की समर्थक रही हैं और उनके बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर से उनकी सगाई हुई थी। ट्रंप ने टॉम बराक को तुर्किये में राजदूत नियुक्त करने की घोषणा की और उन्हें एक सम्मानित और अनुभवी आवाज कहा। फर्ग्यूसन पहले से ही एफटीसी के पांच आयुक्तों में से एक हैं। डेविड ओ सैक्स बने थे एआई और क्रिप्टो जार बीते दिनों डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्रशासन में अहम नियुक्ति की। ट्रंप ने अपने करीबी और अरबपति उद्योगपति डेविड सैक्स को व्हाइट हाउस का एआई और क्रिप्टो जार नियुक्त किया है। डेविड सैक्स कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्रिप्टो करेंसी पर ट्रंप सरकार को सलाह देंगे। डेविड के नाम का एलान करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि डेविड सरकार की एआई और क्रिप्टोकरेंसी पर नीतियों का नेतृत्व करेंगे। ये दोनों क्षेत्र भविष्य में अमेरिकी प्रतिस्पर्धा के लिहाज से बेहद अहम हैं। डेविड ऑनलाइन फ्री स्पीच की रक्षा करेंगे और हमें बड़ी तकनीकी कंपनियों और उनकी सेंसरशिप से दूर रखेंगे।

**मस्क के करीबी जेरेड को मिली थी जिम्मेदारी :** अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पेसएक्स के मालिक व अरबपति कारोबारी एलन मस्क के करीबी जेरेड इसाकमैन को नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) प्रमुख चुना था। इसाकमैन पेमेंट कंपनी शिफ्ट4 पेमेंट्स के सीईओ हैं। वह निजी अंतरिक्ष यात्री मिशनों का संचालन करने के लिए स्पेसएक्स वाहनों का उपयोग करने वाले कार्यक्रम का हिस्सा भी हैं।

# साउथ कोरियाई प्रेसिडेंट बोले- मार्शल लॉ कानूनी फैसला था

**सियोल, एजेंसी।** साउथ कोरिया में मार्शल लॉ लगाने वाले राष्ट्रपति यून सुक योल ने गुरुवार को टीवी पर संबोधन दिया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक उन्होंने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि वे पद से नहीं हटेंगे और महाभियोग लगाए जाने के खिलाफ अंत तक लड़ते रहेंगे। यून ने कहा कि संसद में सैनिकों को भेजना विद्रोह नहीं है। लोकतंत्र को खत्म होने से रोकने और संसद में विपक्ष की तानाशाही का मुकाबला करने के लिए उन्होंने मार्शल लॉ लगाने का फैसला लिया। यह पूरी तरह से कानूनी था।

यून ने कहा- चाहे मेरे खिलाफ जांच की जाए या महाभियोग लाया जाए, मैं निष्पक्ष रूप से इसका सामना करूंगा रहूंगा। मैं आखिर तक लड़ता रहूंगा। इससे पहले 7 दिसंबर को राष्ट्रपति यून ने मार्शल लॉ लगाने के लिए देश से माफी मांगी थी। उन्होंने लाइव टीवी पर सिर झुकाकर जनता के सामने मार्शल लॉ लगाए जाने को गलत कहा था। तब उन्होंने कहा था कि ये फैसला कानूनी या राजनीतिक वजहों से नहीं बल्कि हताशा में लिया गया था।

राष्ट्रपति बोले- लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा रहा विपक्ष यूं ने विपक्ष पर सरकार के कामकाज को रोकने का आरोप लगाया। दरअसल मार्शल लॉ मामले के बाद साउथ कोरिया में राष्ट्रपति ने 673.3 ट्रिलियन वॉन (करीब 40 लाख करोड़ रुपए) का बजट पारित करने की कोशिश की, लेकिन मुख्य विपक्षी दल ने इसमें कटौती कर दी।

विपक्ष के इस कदम से नाराज राष्ट्रपति ने कहा कि देश की विपक्षी पार्टी लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा रही है। साउथ कोरिया में विपक्षी पार्टी ही बहुमत में है। संसद में 300 सीटों में से मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ कोरिया को 171 सीटें मिली हुई हैं। साउथ कोरिया में 4 दशक बाद मार्शल लॉ साउथ कोरिया में राष्ट्रपति यून ने 3 दिसंबर की रात देश में मार्शल लॉ लागू कर दिया था। हालांकि, भारी विरोध के बाद उन्होंने 6 घंटों के भीतर ही अपना फैसला वापस ले लिया था। यून के इस कदम के बाद दक्षिण कोरिया में उनका काफी विरोध हो रहा है उन्हें पद से हटाए जाने की भी कोशिशें हो रही हैं। राष्ट्रपति की ही पार्टी के नेता अब उन्हें हटाने में जुट गए हैं। सत्ताधारी पीपुल्स पावर पार्टी के महासचिव हान डोंग-हुन ने गुरुवार को कहा कि लोकतंत्र सुरक्षित रहे इसके लिए राष्ट्रपति का हटना जरूरी है।

राष्ट्रपति को हटाने के लिए फिर से प्रस्ताव लाएगा विपक्ष पिछली बार शनिवार को राष्ट्रपति यून के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था। लेकिन जरूरी 200 सांसदों का इसे समर्थन नहीं मिल पाया था। इसे लेकर हान ने कहा कि पिछली बार कई सांसद राष्ट्रपति को हटाने और न हटाने को लेकर भ्रम में पड़ गए थे और उन्होंने वोटिंग नहीं की थी। अब ये भ्रम की स्थिति दूर होनी चाहिए। हान ने कहा कि इसे रोकने का एक ही तरीका ये है कि हर सांसद संसद भवन में आए और अपने विवेक के आधार पर वोट डाले। साउथ कोरिया में विपक्षी पार्टी ष्ठक्क राष्ट्रपति को पद से हटाने के लिए दूसरी बार महाभियोग प्रस्ताव ला सकती है। यह प्रस्ताव शनिवार को लाया जा सकता है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

### सार्वजनिक रूप से सरगस निकालकर कानून की चेतावनी दी।

# पुलिस का मुखबिर होने की शक पर स्पा माफिया चंचल राजपूत के चार साथी गिरफ्तार

### अखिलेश भारती, हर्ष शेन, आशीष तिवारी और अविनाश दीक्षित को गिरफ्तार किया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के भेसतान में एक युवक पर जानलेवा हमले का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पुलिस का मुखबिर होने की शक करते हुए निकेश उर्फ निकलो किशोर पटेल पर चप्पू और लकड़ी के डंडे से हमला किया गया था। इस घटना में स्पा माफिया चंचल राजपूत के चार साथियों अखिलेश भारती, हर्ष शेन, आशीष तिवारी और अविनाश दीक्षित को गिरफ्तार किया गया, और पुलिस ने उन्हें सार्वजनिक रूप से सरगस निकालकर कानून की चेतावनी दी।

भेसतान के केशव नगर में रहने वाले निकेश उर्फ निकलो किशोर पटेल, जो डीजे बजाने का काम करते हैं, पर 8 दिसंबर की रात को जानलेवा हमला किया गया था। आरोपियों में अखिलेश भारती, हर्ष शेन, आशीष तिवारी और अविनाश दीक्षित ने निकेश पर चप्पू और लकड़ी के फटके से गले और सिर के हिस्से में गंभीर चोटें पहुँचाई थीं। पुलिस की जांच में यह खुलासा हुआ कि यह हमला बड़े अपराधी और स्पा माफिया चंचल राजपूत ने कराया था। चंचल को लगता था कि निकेश उसकी स्पा पर बार-बार होने वाली पुलिस रेड का जिम्मेदार था, और उसे पुलिस का मुखबिर मानता था।

पुलिस ने आरोपी का सरगस निकाला

भेसतान पुलिस ने चंचल और उसके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों अखिलेश भारती, हर्ष शेन, आशीष तिवारी और अविनाश दीक्षित का सार्वजनिक रूप से सरगस निकाल कर उन्हें कानून की चेतावनी दी। इस बारे में भेसतान पुलिस स्टेशन के इंचार्ज ने बताया कि, ''हमने इस घटना के संबंध में सभी आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। लोगों की सुरक्षा और शांति के लिए पुलिस किसी भी अपराध को बर्दाश्त नहीं करेगी।''

# सूरत नगर निगम की इनोवा कार लेकर यूपी गए शासक पक्ष के नेता का इलाहाबाद के पास एक्सीडेंट

### गाड़ी ले जाने की मंजूरी को लेकर सवाल उठे।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगरपालिका में नेताओं और अधिकारियों द्वारा अपनी सत्ता का दुरुपयोग करने के कई मामले सामने आते रहे हैं। अक्सर सरकारी वाहनों का निजी कामों के लिए बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाता है। हाल ही में एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसमें निगम की इनोवा कार लेकर यूपी गए शासक पक्ष के नेता का एक्सीडेंट हुआ है। इस हादसे में कार को भारी नुकसान हुआ है। इसके साथ ही चर्चा है कि दुर्घटना के समय नेता कार में सवार नहीं थे और बिना अनुमति के निगम की कार को यूपी ले जाया गया था।

अधिकतर सूरत महानगरपालिका में शासक पक्ष के नेताओं के रूप में बाहरी राज्यों के लोग रखे जाते हैं। शासक पक्ष की महिला नेता शशि त्रिपाठी यूपी गई थीं, और इस दौरान इलाहाबाद के पास उनकी इनोवा कार का एक्सीडेंट हुआ है। हादसे में गाड़ी को नुकसान पहुंचा है। यह पूरी जानकारी तब सामने आई जब इनोवा कार का बीमा कराने के लिए दस्तावेजी प्रक्रिया शुरू की गई। शासक पक्ष की नेता शशि त्रिपाठी गाड़ी लेकर मध्यप्रदेश और फिर यूपी गई थीं।

मिल रही जानकारी के अनुसार, निगम की शासक पक्ष की गाड़ी यूपी में ले जाने की बात की पहले से कोई अनुमति प्राप्त करने की जानकारी नहीं मिली है। नियमों के अनुसार, जब भी निगम के शासकों द्वारा आवंटित गाड़ी शहर से बाहर जाती है, तो पुल विभाग से अनुमति लेना अनिवार्य होता है। हालांकि, शासक पक्ष की नेता शशि त्रिपाठी द्वारा निगम की गाड़ी लेकर यूपी जाने के संबंध में कोई अनुमति ली गई है या नहीं, इस बारे में अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

दुर्घटना के दौरान कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे सामने आए हैं। चर्चा है कि इस इनोवा कार को शासक पक्ष की नेता शशि त्रिपाठी के पति चला रहे थे। इससे भी गंभीर बात यह है कि इस गाड़ी में शासक पक्ष की नेता खुद मौजूद नहीं थीं। अगर नेता खुद कार में नहीं बैठी थीं, तो क्या उनके परिवार के सदस्य इस तरह से गाड़ी लेकर जा सकते थे? यह सवाल उठ रहा है।

संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं

शासक पक्ष की नेता शशि त्रिपाठी के एक्सीडेंट के बारे में टेलीफोनिक संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। इसके बाद, फायर ऑफिसर बसंत परीक्षा से बात करते हुए उन्होंने कहा कि, ''परमिशन हमें लेने की आवश्यकता नहीं होती, लेकिन वे हमें सूचित करते हैं कि वे शहर से बाहर जा रहे हैं, और जो किलोमीटर होते हैं, उसका भुगतान हम लेते हैं। लेकिन जब वे सूरत से बाहर या अन्य राज्य में जाते हैं, तो गाड़ी लेकर जाने की अनुमति किससे ली जाती है, हमें भी इसकी जानकारी नहीं है।''

सूरत महानगरपालिका में शासकों को जो गाड़ी आवंटित की जाती है, वह सूरत और जनता के काम के लिए होती है। लेकिन यह एक परंपरा बन गई है कि जब भी शासकों को कोई भी पद मिलता है, वे निगम की गाड़ी का उपयोग अपनी व्यक्तिगत और सामाजिक कार्यों के लिए भी करते हैं। इस तरह से शासक जनता के करोड़ों रुपये के टैक्स का दुरुपयोग करते हैं। वर्तमान शासक पक्ष के नेताओं के अलावा, पिछले शासक पक्ष के नेताओं के बारे में भी चर्चा है कि वे इस गाड़ी का बेहिसाब इस्तेमाल करते थे। उन्होंने अपनी निजी गाड़ी को एक तरफ रख दिया और केवल निगम की गाड़ी से ही अपने सभी काम पूरे किए। इतना ही नहीं, वे बिना किसी अनुमति के अपनी गाड़ी को बार-बार यूपी ले जाते थे।

जबकि नेताओं को विवाद में रहना सामान्य लगता है, पार्टी द्वारा उनके खिलाफ कोई कदम नहीं उठाए जाते और अनुशासन के नाम पर भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

### सूरत में असामाजिक तत्वों का सरगस निकालने का काम जारी

# PI वाघडिया ने कहा- हमें सिर्फ जानकारी दें बाकी सारी कार्रवाई हम करेंगे।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राज्य में दादाओं बनकर सार्वजनिक रूप से आतंक मचाने और लोगों को परेशान करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस एक के बाद एक सरगस निकाल रही है। कुछ ही दिनों में सूरत, वडोदरा, राजकोट और अहमदाबाद में मिलाकर 10 से अधिक पुलिस सरघस निकाले जा चुके हैं। कल सूरत में चौक बाजार पुलिस ने दो और आरोपियों का सरगस निकाला और उन्हें हाथ जोड़कर लोगों के सामने लाया। यहां माइक के जरिए पुलिस इंस्पेक्टर विशाल वाघडिया ने लोगों से कहा कि ऐसे दो कुटिल लुच्चों से डरने की जरूरत नहीं है। बस पुलिस को सूचना दें, बाकी सारी कार्रवाई पुलिस द्वारा की जाएगी। यह सुनकर वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को ताली बजाकर सराहा।

आरोपियों के आतंक से लोग लंबे समय से परेशान थे

सूरत शहर के चौक बाजार इलाके में असामाजिक तत्वों द्वारा लंबे समय से आतंक मचाया जा रहा था, जिससे वहां के नागरिक बहुत परेशान हो गए थे। खासकर कुबेरनगर इलाका इन तत्वों की गतिविधियों का अड्डा बन गया था। इस मामले में एक जागरूक नागरिक ने चौक बाजार पुलिस स्टेशन को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। फिर इंस्पेक्टर विशाल वाघडिया की अध्यक्षता में दोनों आरोपियों का कुबेरनगर इलाके में सरगस निकालकर उन्हें कानून की चेतावनी दी गई।

PI का नागरिकों को खुला संदेश कुबेरनगर इलाके के नागरिकों से संवाद करते हुए इंस्पेक्टर विशाल वाघडिया ने कहा, ''ऐसे दो कुटिल लुच्चों से डरने की जरूरत नहीं है। बस 100 नंबर पर फोन कर दो या पुलिस को जानकारी दे दो। आपको इन लुच्चों से डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। आप सिर्फ पुलिस को सूचित करें, बाकी सारी कार्रवाई हम करेंगे। हम आपके लिए ही हैं।''

## पुलिस एक्ट 2007 आओ जाने क्या है ये ।

### 1.पुलिस जबाबदेही समिति

राजस्थान पुलिस अधिनियम, 2007 की धारा 62 से 69 के तहत हर जिले में एक पुलिस जवाबदेही समिति का गठन अनिवार्य किया गया है. इस समिति में चार सदस्य नागरिकों की तरफ से होंगे और पांचवें सदस्य-सचिव के रूप में जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक होंगे. समिति के अध्यक्ष नागरिक सदस्यों में से होंगे.

इस समिति की जिम्मेदारी है कि वह उप निरीक्षक स्तर तक के पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा आमजन के साथ किये गए दुर्व्यवहार या ज्यादती के मामलों की शिकायत सुनेगी. इस समिति को मजिस्ट्रेट की तरह सम्मन करने के अधिकार दिए गए हैं. समिति अगर संतुष्ट हो गई कि दुर्व्यवहार का मामला हुआ है तो यह पुलिस अधीक्षक को आदेश देगी कि वह दोषी पुलिसकर्मी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करे और तीन महीने के भीतर यह काम हो. यह सलाह नहीं, आदेश होगा.

समिति बनाने का उद्धेश्य यह था कि पुलिस सीधे जनता के प्रति जवाबदेह बने. अभी तक पुलिस के खिलाफ शिकायत पुलिस अधिकारियों या राजनेताओं को की जाती थी और उसमें सब गोलमाल हो जाता था. इसलिए ज्यादती होने पर भी आमजन मन मसोसकर रह जाता था. अब यह समिति एक सरल मगर प्रभावी मंच के रूप में काम करेगी.

परन्तु जागरूकता के अभाव में दस वर्षो से भी ज्यादा समय गुजरने के बावजूद लोगों को इस समिति के बारे में पता नहीं है. अधिकतर जिलों में ये समितियां 2015-17 में जागरूक साथियो द्वारा निगरानी कर बनाये गए दबाव से गठित भी हुई पर इनका प्रचार प्रसार नहीं के बराबर है. सदस्य भी नियम विरुद्ध राजनीति के क्षेत्र से बनाये गए हैं. ऊपर से उनको भी नहीं मालूम कि उनका समिति में क्या काम है. वे अपनी जिम्मेदारी और शक्ति से बेखबर हैं और सदस्य बनने से ही खुश हैं.

हमें सूचना के अधिकार से इन समितियों को सक्रिय करना है, दुरस्त करना है ताकि राजस्थान की पुलिस अब राजनेताओं की बजाय सीधे जनता के प्रति जवाबदेह होना सीखे, जो पुलिस अधिनियम 2007 का मूल मकसद है.

आप हर महीने यह सूचना लेते रहो, ताकि पुलिस सजग रहे और समिति का काम सुचारू रूप से शुरू हो सके.

### पुलिस ACT 2007 में CLG

नए पुलिस अधिनयम, 2007 की धारा 55 में यह कहा गया है कि अपराधों की रोकथाम में अब जनता पुलिस को सक्रियता से सहयोग करे. इसके लिए प्रत्येक पुलिस थाने और प्रत्येक पंचायत में ऐसे समूह (सामुदायिक सम्पर्क समूह या CLG ) गठित किये जाने का प्रावधान है. इन समूहों की बैठक नियमित होनी चाहिए और इनका एक संयोजक नागरिकों में से होना चाहिए. वही संयोजक इस बैठक की अध्यक्षता करेगा. पुलिस थाने के प्रभारी, इस समूह के सचिव के रूप में कार्य करेंगे. एक तरह से अब पुलिस को सीधे सीधे स्थानीय जनता के प्रति जवाबदेह होने और उससे तालमेल रखकर चलने को कह दिया गया है. संयोजक को विशेष जिम्मेदारी दी गई है कि वह नियमित रूप से थाने में आकर व्यवस्थाओं पर प्रभारी के साथ सक्रिय संवाद करे.

ष्टस्त्र से अपेक्षा यह रहती है कि वह अपराधों की रोकथाम में पुलिस को सूचनाएं और सहयोग दे. साथ ही कई अन्य काम भी समाज और पुलिस में बेहतर संवाद स्थापित करने के लिए इस समूह को करने हैं.

पर असल में इन समितियों का कचरा कर दिया गया है. लोग इसी में खुश हैं कि वे थाने में जाकर कुर्सियों पर बैठते हैं और गप्पें मार लेते हैं ! अधिकतर जगह पर संयोजक नहीं बनाये गए हैं तो दूसरी ओर इन समूहों में राजनैतिक पदों पर आसीन लोगों को नियम विरुद्ध स्थापित कर दिया गया है. अब यह समूह एक क्लब जैसा हो गया है, जहाँ ईद-दीपवाली या अन्य मौकों पर शान्ति स्थापित करने के लिए लोगों को इकठ्ठा किया जाने लगा है. इन्हें शान्ति समितियों की जगह काम में लिया जाकर मूल उद्धेश्य से बहुत दूर कर दिया गया है. संयोजक की बजाय थाना प्रभारी या उनके उच्च अधिकारी ही अध्यक्षता करते दिखाई देते हैं.

जागरूकता के अभाव में यही होगा. हमें अब इस व्यवस्था को नियम के अनुसार चलवाकर नए पुलिस अधिनियम के मूल उद्धेश्य की पूर्ति करवानी होगी.सूचना के अधिकार से हम जब उचित सवाल पूछेंगे तो अधिकारी भी कितने दिन तक दिखाई देती मक्खी को निगलने को कहेंगे ?

बहुत हो गया कि लोग थाने के नाम से डरते रहे हैं. अब पुलिस किसी अंग्रेज या राजा की नहीं है, हमारी अपनी है तो उससे डर कैसा ? और जब हम पुलिस का वेतन देते हैं तो उसे हमारे प्रति सीधे जवाबदेह होना चाहिए. हाँ. हम जिम्मेदार नागरिकों की तरह नियमों का पालन करें, क़ानून का सम्मान करें.

**महावीर पारीक,सीईओ & फाउंडर, लीगल अम्बिट**

## जाने क्या है समन्वय समिति।

जिले के बुजुर्गों के हित मे प्रशासन या समाज कल्याण विभाग को जो कार्य करना होता है उसको क्यों नही कर रहा है। वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े एक महत्वपूर्ण अधिनियम " माता पिता व वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण तथा कल्याण अधिनियम 2007 " की जिले मे अधिनियम बनने के एक दशक से अधिक हो गए तो भी कोई पालना नही हुई है । जिला कलेक्टर महोदय जी की अध्यक्षता मे बनने वाली

**जिला समन्वय संमिति**

साल मे एक दिन विश्व वृद्ध दिवस को महज खानापूर्ति के लिए बुजुर्गों का अभिनंदन कर दिया जाता है पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने एक भी वरिष्ठ नागरिक की मदद नही की ?? इस अधिनियम का किसी भी प्रकार से कोई भी प्रचार प्रसार नही किया और ना ही वरिष्ठ नागरिकों को जानकारी दी ??

### ऐसे समझिये क्या है

**जिला समन्वय समिति, उसके नियम ,क्यों जरूरी है और क्या काम आता है!**

1. भारत सरकार ने 29 दिसम्बर 2007 को यह अधिनियम बना दिया था । और राजस्थान सरकार ने 18 जून 2010 को राजपत्र जारी कर सभी विभागों को आदेश जारी किए ।

2. अधिनियम के तहत कोई भी वरिष्ठ नागरिक या माता पिता जो स्वयं की सम्पत्ति आय से अपना भरण पोषण करने मे असमर्थ हो और उसकी संपत्ति के वारिश उनको मूलभूत सुविधा नही दे रहा है तो वरिष्ठ नागरिक या माता पिता इस एक्ट के तहत अपनी सम्पति के वारिशों से भरण पोषण या मासिक खर्चा ले सकते है ।

3 इस एक्ट के तहत वरिष्ठ नागरिकों को भरण पोषण अधिकारी को अपनी एक शिकायत देनी होती है । भरण पोषण व सुनवाई अधिकारी एक माह मे वरिष्ठ नागरिकों के मामले की सुनवाई करता है और शिकायत सही पाने पर सम्पति के वारिसों को मासिक खर्चे के लिए आदेश देते है ।

4 इस अधिनियम के तहत वरिष्ठ नागरिकों या माता पिता को सम्पूर्ण कानूनी मदद या फाइल प्रक्रिया के लिए अधिकारी जिम्मेदारी होती है जो निशुल्क उपलब्ध करायी जाती है और मुफ्त कानूनी मदद दी जाती है ।

5. कई बार बुजुर्गो से उनके वारिस धोखे से उनकी संपत्ति अपने नाम कर लेते है तो इस अधिनियम के तहत वरिष्ठ नागरिक अपनी संपत्ति वापिस ले सकते है ।

6. इस कानून के अंतर्गत भारतीय संविधान हर नागरिक को यह सूचित करता है कि किसी भी वरिष्ठ नागरिक , माता-पिता की जिम्मेदारी उनके उत्तराधिकारी या उनके बच्चों को उठानी होगी, उनकी उपेक्षा या अवमानना करने वाले को 5000 का जुर्माना या 3 माह की कैद होगी

**किसको क्या करना था**

**1 कलेक्टर कार्यालय से जिला समन्वय समिति बननी थी ।**

इसकी अध्यक्षता जिला मजिस्ट्रेट और पदेन सदस्य के लिए जिला समाज कल्याण अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला अस्पताल का प्रभारी अधिकारी, जिला जन सम्पर्क अधिकारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद चुने जाते । सदस्य के लिए जिला कलेक्टर उन सदस्यो को चुनते जो वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण से जुड़े हो । इस समिति की हर तीन माह मे मीटिंग होती ।

**2 पुलिस कार्यालय :-**

पुलिस थाने मे वरिष्ठ नागरिकों की एक सूची बनानी होती है । वरिष्ठ नागरिकों ओर माता पिता के विरुद्द कारित अपराधों के संबंधो मे पृथक रजिस्टर , प्रगति रिपोर्ट जिला समन्वय समिति को देनी होती है । थाने मे एक अलग समिति का गठन किया जाता है जो वरिष्ठ नागरिकों , पुलिस और प्रशासन के मध्य संवाद का कार्य करती है । पुलिस थाने से एक कार्मिक एक समाजसेवी को साथ ले जाकर खासकर उन वरिष्ठ नागरिकों से मिलेगा जो अकेले रहते है । हर थाने मे हेल्प डेस्क स्थापित होना था ।

**3 समाज कल्याण विभाग :-** सबसे अधिक जिम्मेदारी इसी विभाग को दी हुई है । इसको बुजुर्गों के हित की सभी योजनाओं को देखना होता है ।

**4 मुख्य चिकित्सा एव स्वाथ्य अधिकारी :-** अधिनियम मे इस विभाग को अलग से सुविधा देने के लिए प्रावधन है मगर निदेशक के निर्देश के बाद भी इस विभाग भी उदासीनता दिखा रहा है।

**महावीर पारीक,सीईओ & फाउंडर, लीगल अम्बिट**